RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 339 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 09-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आदित्यनाथ ने की मां विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा-अर्चना
6 हर साल बदइंतजामी की बाढ़ में डूबती व्यवस्था
7 अयोध्या में अनुपम खेर ने राम मंदिर में की पूजा

फर्स्ट टेक

‘युद्धविराम समाप्त’ लेकिन वार्ता जारी रह सकती है : ट्रंप ने ईरान पर हमलों के बाद कहा

दुबई/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान के साथ ‘‘अंतरिम समझौता समाप्त’’ हो गया है लेकिन वह बातचीत जारी रहने देंगे। ट्रंप ने युद्धविराम की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर कहा, ‘‘मुझे लगता है कि यह समाप्त हो गया है। उनके साथ बात करना समय की बर्बादी है।’’ ट्रंप ने यह टिप्पणी तुर्किये के अंकारा में दो दिवसीय उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन से इतर की। इससे कुछ घंटे पहले अमेरिका ने ईरान पर हमले किए थे, जिन्हें उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में टैंकरों पर ईरानी हमलों की जवाबी कार्रवाई बताया था।

ईरान ने बहरीन और कुवैत को निशाना बनाया

दुबई/एपी अमेरिका की कार्रवाई के जवाब में ईरान द्वारा हमले किए जाने के बाद बहरीन में बुधवार सुबह तीसरी बार मिसाइल हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजे। फारस की खाड़ी में सऊदी अरब के तट के पास स्थित बहरीन ने नागरिकों से सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की अपील की। ईरान ने बुधवार को बहरीन और कुवैत दोनों को निशाना बनाया। अमेरिका ने कहा कि उसने बुधवार सुबह ईरान में 80 से अधिक स्थलों पर हमला किया। अमेरिका ने ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन पोतों पर ईरान के हमले के बाद किए।

‘खेलो इंडिया युवा खेलों’ की मेजबानी करेगा तेलंगाना

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को घोषणा की कि तेलंगाना ‘खेलो इंडिया युवा खेलों’ (केआईयूजी) के 2026 चरण की मेजबानी करेगा। केआईयूजी के नवंबर में होने की संभावना है। पिछले साल मई में बिहार ने इसके पिछले चरण की मेजबानी की थी। खेल मंत्री ने कहा, ‘‘प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश के सभी हिस्सों में बड़े राष्ट्रीय आयोजन करने की सोच को ध्यान में रखते हुए यही उचित है कि तेलंगाना को प्रतिष्ठित खेलो इंडिया युवा खेलों’ की मेजबानी का मौका मिले। ’’

मांडविया ने कहा, ‘‘राज्य के पास इन खेलों की मेजबानी करने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा है। इन खेलों में कम से कम 8000 एथलीट, अधिकारी और सहयोगी स्टाफ के शामिल होने की उम्मीद है।’’

सूर्यास्त 09-07-2026 6:50 बजे | सूर्योदय 10-07-2026 6:01 बजे

BSE	NSE
76,503.60	23,882.05
(-1677.10)	(-516.66)

सोना	चांदी
15,108 रु.	231,969 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

सांस्कृतिक विरासत हमें जोड़ती हैं, प्रम्बानन मंदिर के संरक्षण के लिए इंडोनेशिया का आभार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को सांस्कृतिक विरासत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों के लोगों को आपस में जोड़ती है। उन्होंने प्रम्बानन मंदिर परिसर की ‘विशाल विरासत’ को संरक्षित रखने के लिए इंडोनेशिया और वहां के लोगों का धन्यवाद किया। इंडोनेशिया के रा7पति प्रबोवो सुबियांतो के साथ यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल का दौरा करने के दौरान अपने भाषण में उन्होंने कहा कि प्रम्बानन मंदिर परिसर के लिए एक संयुक्त संरक्षण परियोजना के उद्घाटन का हिस्सा बनना उनके लिए सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इंडोनेशियाई नेता को मित्र राष्ट्रपति ‘प्रबोवो’ की संज्ञा दी और मंदिर परिसर में दोनों नेताओं के दौरे के समय उनके बीच गर्मजोशी वाला जुड़ाव दिखाई दिया। उन्होंने रस्मी तौर पर हाथ मिलाया, वहां उपस्थित लोगों की तरफ हाथ हिलाया और मंदिर के दौरे के समापन के समय एक-दूसरे को गले लगाया।

मोदी ने कहा कि मित्र, राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ इस जगह आने से यह अवसर मेरे लिए खास बन गया है। सदियों पुराना प्रम्बानन मंदिर परिसर योग्यकर्ता शहर से करीब 17 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित है। दसवीं सदी में निर्मित इस मंदिर को इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर माना जाता है। मोदी ने कहा, मैंने सुना है कि यहां की हवाओं में संस्कृति की खुशबू है। यह वही खुशबू है जिसे हम हर पल भारत की मिट्टी में महसूस करते हैं। यह खुशबू, यह सांस्कृतिक विरासत हमें जोड़ती है।

उन्होंने कहा, 1200 साल... मैं यहां (इंडोनेशिया में) के लोगों का धन्यवाद करता हूं... जिस तरह से उन्होंने इस शानदार विरासत को सुरक्षित रखा है, इसे बनाए रखा है और पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ ऐसा किया है। इसलिए, मैं इंडोनेशिया के लोगों और अब तक रहे सभी शासकों का भी पूरे दिल से अभिवादन करता हूं। दोनों नेताओं का इस ऐतिहासिक स्थल का दौरा, भारत और इंडोनेशिया के बीच मंदिर परिसर के संरक्षण और जीर्णोद्धार की परियोजना को भारत की मदद से शुरू करने के लिए आशय पत्र’ के आदान-प्रदान के एक दिन बाद हुआ। उन्होंने कहा, मैंने इस मंदिर में ’महामृत्युंजय’ और ’ओम नमः शिवाय’ के मंत्रों का जाप होते देखा; इसने सचमुच दिल को छू लिया। उन्होंने कहा, जब हम प्रम्बानन मंदिर परिसर में संरक्षण और जीर्णोद्धार का काम शुरू कर रहे हैं, जो यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है तो मुझे पूरा भरोसा है कि भारतीय पर्यटक निश्चित रूप से इस जगह पर आएंगे। मोदी सोमवार को जकार्ता पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। यह उनके तीन देशों के दौरे का पहला चरण है- जिसमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी शामिल हैं।

> भारत और इंडोनेशिया के बीच मंदिर परिसर के संरक्षण और जीर्णोद्धार की परियोजना को भारत की मदद से शुरू करने के लिए आशय पत्र’ के आदान-प्रदान के एक दिन बाद हुआ। उन्होंने कहा, मैंने इस मंदिर में ’महामृत्युंजय’ और ’ओम नमः शिवाय’ के मंत्रों का जाप होते देखा; इसने सचमुच दिल को छू लिया।

भारत ने पिनाका लंबी दूरी की निर्देशित रॉकेट का सफल परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण स्थल से पिनाका लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेट (एलआरजीआर) का सफल उड़ान परीक्षण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रॉकेट का परीक्षण उपयोगकर्ता द्वारा तय 60 किलोमीटर की न्यूनतम दूरी की मारक क्षमता की जांच करने के लिए किया गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने आठ जुलाई को चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण स्थल (आईटीआर)पर पिनाका लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेट (एलआरजीआर)का सफल उड़ान परीक्षण किया।

अधिकारियों ने बताया कि योजना के मुताबिक उड़ान के दौरान सभी मानकों पर खरा उतरते हुए एलआरजीआर ने पहले से तय रास्ते का बिल्कुल सटीक तरीके से पालन किया और बेहतरीन सटीकता के साथ अपने लक्ष्य को भेदा। उन्होंने बताया कि परीक्षण की निगरानी करने के लिए लगाए गए सभी उपकरणों ने उड़ान के समय रॉकेट के पूरे रास्ते पर नजर रखा।

उन्होंने बताया कि पिनाका एलआरजीआर रॉकेट को शस्त्र अनुसंधान एवं विकास संगठन ने उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के साथ मिलकर डिज़ाइन किया है, जिसमें ‘रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला’ और ‘रिसर्च सेंटर इमारत’ का सहयोग मिला है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग को बधाई दी। उन्होंने इसे लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेट के लिए स्वदेशी डिज़ाइन और विकास क्षमता में एक ‘बड़ी उपलब्धि’ बताया।

मंत्रालय ने बताया कि रक्षा सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने इन परीक्षणों पर बारीकी से नजर रखी और सफल परीक्षण से जुड़ी सभी टीम की प्रशंसा की।

एनआईए ने ऑनलाइन आतंकी साजिश मामले में देशभर में छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने ऑनलाइन आतंकी साजिश से जुड़े एक मामले में बुधवार को देश भर में छापेमारी की। यह साजिश आईएसआईएस और एक्यूआईएस जैसे आतंकी संगठनों की विचारधारा को बढ़ावा देकर, लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार के खिलाफ हिंसक जिहाद के ज़रिए भारत में इस्लामिक राष्ट्र बनाने से संबंधित है। एनआईए के एक बयान के मुताबिक, जांच के तहत एजेंसी की टीम ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में कुल 20 जगहों पर एक साथ छापेमारी की।

इसमें कहा गया है कि बुधवार को की गई तलाशी के दौरान कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। कथित कट्टरपंथ की साजिश के बारे में और सुराग पाने के लिए इनकी फॉरेंसिक जांच की जाएगी। बयान के अनुसार, इस मामले में अब तक 11 लोगों और एक नाबालिग को पकड़ा गया है।

एनआईए ने इस साल मई में विजयवाड़ा पुलिस से यह मामला अपने हाथ में लिया था। आंध्र प्रदेश की विजयवाड़ा पुलिस ने मुख्य आरोपी रहमतुल्ला शरीफ़ मोहम्मद के घर की तलाशी के बाद मार्च में यह मामला दर्ज किया था। तलाशी के दौरान प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट) और एक्यूआईएस (अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट) से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। मोदी इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे साथ ही भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के तुरंत बाद ‘एक्स’ पर लिखा, ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न पहुंच गया हूं। यह यात्रा भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नयी ऊर्जा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ होने वाली वार्ता को लेकर उत्सुक हैं। मोदी ने कहा, ‘‘मुझे भारतीय प्रवासी समुदाय से मिलने का भी अवसर मिलेगा, जो हमारी साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।’’

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मेलबर्न में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे और विभिन्न हितधारकों के साथ बैठकें कर आपसी हित के सभी क्षेत्रों में भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे।’’

नई दिल्ली से रवाना होने से पहले जारी बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि उनकी यह यात्रा भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा था, ‘‘प्रधानमंत्री अल्बनीज के साथ अपनी बातचीत में मैं रक्षा और सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश, शिक्षा और आवागमन तथा लोगों के बीच संबंधों वाले क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाऊंगा।’’ प्रधानमंत्री मोदी इंडोनेशिया की तीन दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं।

नीट पेपर लीक मामला

दिल्ली की अदालत ने दो आरोपियों की न्यायिक हिरासत 11 जुलाई तक बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने नीट पेपर लीक मामले में कथित सरगना और एक कोचिंग सेंटर के संस्थापक समेत दो आरोपियों की न्यायिक हिरासत बुधवार को 11 जुलाई तक बढ़ा दी। कथित सरगना पी. वी. कुलकर्णी और रेनुकाई करियर सेंटर (आरसीसी) के संस्थापक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को दोपहर में विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता के समक्ष पेश किया गया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दोनों की न्यायिक हिरासत 11 जून तक बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसे न्यायाधीश गुप्ता ने स्वीकार कर लिया। महाराष्ट्र के लातूर निवासी कुलकर्णी रसायन विज्ञान के विशेषज्ञ हैं और कई वर्षों से नीट प्रश्नपत्र तैयार करने वाले पैनल का हिस्सा रहे हैं। उन्हें पिछले महीने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में पुणे से गिरफ्तार किया गया था और बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

मोटेगांवकर को मई में लातूर से गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसी ने दावा किया कि तलाशी के दौरान उनके निजी मोबाइल फोन से तीन मई को हुई परीक्षा का लीक प्रश्नपत्र बरामद किया गया। सीबीआई ने आरोप लगाया कि वह नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक और उसके प्रसार में शामिल संगठित गिरोह का सक्रिय सदस्य थे और उन्होंने अपने कोचिंग सेंटर के माध्यम से प्रश्नपत्र और उसके उत्तरों के प्रसार में अहम भूमिका निभाई। जांच एजेंसी ने इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, सभी न्यायिक हिरासत में हैं।

महादेव ऐप के संस्थापक को ओमान में हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। महादेव सट्टेबाजी ऐप सिंडिकेट मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को ओमान में हिरासत में ले लिया गया है, जिसके बाद भारत उसके प्रत्यर्पण या निर्वासन की कोशिशों में जुट गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ निवासी चंद्राकर महादेव सट्टेबाजी ऐप का संस्थापक है और रॉयल ओमान पुलिस ने राज्य पुलिस तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी भारतीय जांच एजेंसियों के आग्रह पर उसके खिलाफ जारी इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर कुछ हफ्ते पहले उसे हिरासत में ले लिया। ईडी का आरोप है कि महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में छत्तीसगढ़ के कई बड़े नेता और नौकरशाह शामिल हैं तथा इस मामले में अपराध से हुई कथित कमाई 6,000 करोड़ रुपये के करीब है।

चंद्राकर और महादेव ऐप के सह-संस्थापक रवि उप्पल का पता लगाने की कोशिशों में जुटे जांचकर्ताओं ने ‘पीटीआई-भाषा’ को बताया कि अनौपचारिक जानकारी से संकेत मिला है कि चंद्राकर कथित तौर पर एक दक्षिण-पूर्व एशियाई देश के पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा था। भारतीय एजेंसियों ने पहले बताया था कि चंद्राकर दुबई में है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर अयोध्या को बदनाम करने की कोशिश कर रहीं सपा, कांग्रेस : आदित्यनाथ

चित्रकूट/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले का राजनीतिकरण करके अयोध्या और भगवान राम की विरासत को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सिफारिश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने का आदेश दिया। चित्रकूट में 950 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लोकार्पण के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि मामला सामने आने के बाद विपक्षी दल अचानक सक्रिय हो गए हैं क्योंकि उन्हें अयोध्या को निशाना बनाने के लिए एक मुद्दा मिल गया है। उन्होंने कहा, आपने हाल की खबरें सुनी होंगी। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अचानक सक्रिय हो गईं। ये वे पार्टियां हैं जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से अयोध्या की आलोचना की है, और उन्हें फायदा उठाने के लिए एक मुद्दा मिल गया है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नकली हीरो

देश जब जल रहा अलगाववादियों से,
नेता घूमे परदेश नीरो उसे कहते।
वर्तमान का पता नहीं है जिन्हें बिल्कुल,
भविष्य की हांके सब कीरो उसे कहते।
पा जाए अयोग्य पद सिस्टम की नाकामी से,
योग्य को प्रताड़ना दे जीरो उसे कहते।
रिश्तों का मजाक जो बनाए तीन शादियों से,
मीडिया के लोग फिर भी हीरो उसे कहते।

दिल्ली और मुंबई में बारिश से जलभराव, पुणे में इमारत ढही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के एक बड़े हिस्से में बुधवार को भारी मानसूनी बारिश हुई, जिससे कई जगह अचानक बाढ़ आ गई और रेल एवं सड़क यातायात में बड़े पैमाने पर बाधा उत्पन्न हुई। दिल्ली और मुंबई के कई हिस्सों में जलजमाव के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ में भारी बारिश के दौरान इमारत ढह गई, जहां मलबे में 16 लोगों के फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों से बुधवार को फोन पर बात कर भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की और केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मंगलवार को वायनाड जिले की मेप्पाडी पंचायत में करोड़ों रुपये की सुरंग परियोजना के स्थल पर बारिश से भीगी हुई मिट्टी का ढेर ढहने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में दस लोग घायल हो गए और पांच लापता हैं।

मुंबई में भारी बारिश का दौर थोड़े विराम के बाद बुधवार सुबह फिर शुरू हो गया जिससे उपनगरीय रेल सेवाएं प्रभावित रहीं और दफ्तर जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पड़ोसी जिले पालघर के वसई-विरार क्षेत्र तथा दक्षिण गुजरात के कई स्थानों पर जलभराव के कारण लंबी दूरी की रेल सेवाएं बाधित रहीं। वहीं, सोमवार को भोर घाट क्षेत्र में हुए भूस्खलन के बाद मुंबई-पुणे मार्ग पर रेल परिचालन अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है। दिल्ली में बुधवार को हुई बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलजमाव हो गया और सड़कों पर गाड़ियों की रफ्तार थम गयी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ घंटों में गरज के साथ बारिश की संभावना को देखते हुए ‘रेड’ और ‘ऑरेंज’ अलर्ट जारी किए हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां सुबह 8:30 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान 14.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि अगले कुछ घंटों में दिल्ली के कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने की काफी संभावना है, जबकि अन्य इलाकों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, भूस्खलन और सड़कें बंद होने की भी सूचना है। रायगढ़ जिले में उल्हास नदी में उफान और पटरियों पर जल जमाव की वजह से नेरल और कर्जत स्टेशन के बीच ट्रेन सेवाएं बुधवार को करीब एक घंटे तक बाधित रहीं। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि जलसंग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के कारण उल्हास नदी सुबह 9.30 बजे से ही खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी।

‘मिसिंग लिंक’ इंजीनियरिंग का अजूबा, शुरुआती दिक्कतें सामान्य : देवेंद्र फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे की मिसिंग लिंक’ परियोजना का पुरजोर तरीके से बचाव करते हुए कहा कि शुरुआती दौर में कुछ परेशानियां आना स्वाभाविक हैं।

इस परियोजना के तहत बनी सुरंग के नजदीक हुई भूस्खलन की घटना के बाद मुख्यमंत्री को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। राज्य विधानसभा में भारी बारिश और बाढ़ प्रबंधन पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए, फडणवीस ने परियोजना की आलोचना करने वालों पर आरोप लगाया कि वे भाड़े के ट्रोलर’ के जरिए टीवी और सोशल मीडिया पर झूठ फैला रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि गलत जानकारी देकर महाराष्ट्र को बदनाम करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से दस साल बाद, जो लोग अपशब्द कह रहे हैं, वे नहीं रहेंगे, लेकिन यह महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग और देवेंद्र फडणवीस व (उप-मुख्यमंत्री) एकनाथ शिंदे के नाम कायम रहेंगे। मिसिंग लिंक’ में भारत का सबसे चौड़ा केबल आधारित पुल बना है जो 170 किमी/घंटा तक की हवा की गति का सामना कर सकता है। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से घाट वाले इलाके में दुर्घटनाएं कम हुई हैं और यातायात सुगम हुआ है। महत्वाकांक्षी कोंकण रेल परियोजना के सामने आई चुनौतियों का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार सुरक्षा के अतिरिक्त उपाय लागू करेगी, लेकिन किसी इंजीनियरिंग उपलब्धि को केवल एक घटना के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए। सरकार ने एक मई को यातायात के लिए 13.3 किलोमीटर लंबा ‘मिसिंग लिंक’ खोला था।

वायनाड भूस्खलन के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जाएगी : मुख्यमंत्री सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने बुधवार को कहा कि वायनाड में सुरंग परियोजना में हुई दुर्घटना की दो अलग-अलग जांच की जाएगी।

इस बात की भी जांच की जाएगी कि क्या परियोजना में शामिल कंपनी ने केंद्र सरकार से मिली पर्यावरण मंजूरी की शर्तों का पालन किया था या नहीं। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सतीशन ने कहा कि सरकार ने हादसे से जुड़ी रिपोर्ट की जांच करने और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जरूरी सभी तकनीकी और कानूनी प्रक्रियाएं शुरू करने का फैसला किया है। इस बैठक

में भूस्खलन के मामले की समीक्षा की गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी और पांच लोग लापता हो गए थे। सतीशन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ‘‘हमने आपदा से जुड़ी रिपोर्ट का मूल्यांकन करने और उन हालातों की जांच के लिए तकनीकी एवं कानूनी कदम उठाने का फैसला किया है जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।’’ सतीशन ने कहा कि वायनाड को कोझिकोड से जोड़ने वाली सुरंग का निर्माण कार्य इन दोनों जांचों के पूरा होने के बाद ही फिर से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें थीं कि भूस्खलन निर्माण स्थल के ऊपर हुआ था। उन्होंने कहा, ‘‘हम इसकी भी जांच करेंगे।’’ उन्होंने कहा कि सरकार भूस्खलन में मारे गए लोगों के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता के तौर पर पांच-पांच लाख रुपये देगी और उनके शवों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने के लिए कदम उठाए गए हैं। इसके अलावा सरकार इस घटना में घायल हुए लोगों के इलाज का खर्च भी वहन करेगी। इस हादसे में जिन तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, वे सभी प्रवासी मजदूर थे। इनमें मध्य प्रदेश से ऑपरेटर चंद्रभान, बिहार से सिविल फोरमैन विकास कुमार और झारखंड से श्रमिक अनमोल शामिल हैं। मंगलवार रात तक हादसे में घायल हुए सात लोगों का मेप्पाडी स्थित वायनाड आयुर्विज्ञान संस्थान (डब्ल्यूआईएमएस) अस्पताल में इलाज किया जा रहा था। अपने संवाददाता सम्मेलन के दौरान सतीशन ने यह भी कहा कि जब वह विपक्ष के नेता थे तब उन्होंने परियोजना को आगे बढ़ाने से पहले एक गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव अध्ययन की मांग की थी क्योंकि यह क्षेत्र पश्चिमी घाट में आता है जो पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील इलाका है, लेकिन उस वक्त उनका मजाक उड़ाया गया था। उन्होंने दावा किया, ‘‘मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने मुझे विकास विरोधी कहा था।’’ उन्होंने तर्क दिया कि पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा कराए गए एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला था कि परियोजना को लागू नहीं किया जाना चाहिए।

भुवनेश्वर अदालत को ई-मेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी मिली

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में बुधवार को भुवनेश्वर अदालत परिसर में बम धमाके की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अदालत को एक ईमेल मिला, जिसमें भेजने वाले ने अदालत परिसर में बम होने का दावा किया था। भुवनेश्वर के सहायक पुलिस आयुक्त (जोन-4) अभिमन्यु नायक ने बताया कि अदालत के अधिकारियों से ई-मेल के बारे में जानकारी मिलने के बाद, ओडिशा पुलिस के बम निरोधक दस्ते के कर्मी मौके पर पहुंचे और पूरी इमारत की गहन जांच की।

उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। नायक ने बताया कि जांच के बाद धमकी अफवाह साबित हुई। पुलिस ने बताया कि इससे पहले भी कटक, पुरी, फुलबनी, देवगढ़ और संबलपुर की जिला अदालतों के साथ-साथ हवाईअड्डे और पासपोर्ट कार्यालय को भी धमकी भरे ईमेल मिले थे। हालांकि, ये सभी धमकियां जांच के बाद अफवाह साबित हुईं।

सरकार से वेतन ले रहे 110 सचिव, लेकिन विधानसभा में चार भी मौजूद नहीं : राहुल नार्वेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बुधवार को सदन की कार्यवाही के दौरान मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने मुख्य सचिव राजेश कुमार को 30 मिनट के भीतर विधानसभा में उपस्थित होने का भी निर्देश दिया। राहुल ने साफ कहा कि विधानसभा अधिकारियों की सुविधा के हिसाब से नहीं चलेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में अगर ऐसी लापरवाही दोबारा हुई तो पूरे दिन के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। अध्यक्ष के निर्देश पर राज्य के मुख्य सचिव और सबसे वरिष्ठ नौकरशाह राजेश कुमार विधानसभा में अधिकारियों की दीर्घा में पहुंचे।

विधानसभा में चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने शिकायत की थी कि संबंधित मंत्री और विभागों के वरिष्ठ नौकरशाह अधिकारी दीर्घा में मौजूद नहीं हैं, जिसके बाद राहुल नार्वेकर ने यह चेतावनी जारी की। कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता विजय वडेट्टीवार ने मंत्रियों और सचिवों की गैरमौजूदगी को विधानसभा, अध्यक्ष और महाराष्ट्र की जनता का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि जब तक मंत्री और सचिव सदन में उपस्थित नहीं होते, तब तक कार्यवाही स्थगित कर दी जाए। नार्वेकर ने हंगामे के बीच गहरी चिंता जताते हुए कहा कि विपक्षी सदस्यों की ओर से बार-बार शिकायत मिल रही है कि चर्चा का जवाब देने के लिए संबंधित मंत्री मौजूद नहीं हैं और वरिष्ठ अधिकारी भी अनुपस्थित हैं।

उन्होंने मुख्य सचिव को आधे घंटे के भीतर विधानसभा में उपस्थित होने का निर्देश दिया और साथ ही कहा कि जब भी किसी विभाग से जुड़ा विषय चर्चा के लिए आए, तो संबंधित मंत्री अपनी मौजूदगी सुनिश्चित करें। विपक्ष के विरोध के बाद सदन की कार्यवाही लगभग 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर मुख्य सचिव विधानसभा पहुंचे। सरकार की ओर से जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि कुछ मंत्री और वरिष्ठ नौकरशाह सरकारी बैठकों सहित अन्य आधिकारिक कार्यों में व्यस्त थे, जिसके कारण वे सदन में उपस्थित नहीं हो सके।

नार्वेकर ने सरकार को ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने की चेतावनी दी और कहा कि विधानसभा की कार्यवाही के दौरान मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

दुर्लभ विकार से जूझ रहे किशोर ने ली अंतिम सांस, पवन कल्याण का प्रशंसक था

हैदराबाद/भाषा। आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण के किशोर प्रशंसक की बुधवार को तेलंगाना के वारंगल में मौत हो गई जो दुर्लभ आनुवांशिक विकार से जूझ रहा था। निरंजन (17) नामक किशोर की हालत पिछले कुछ दिन में ज्यादा बिगड़ गई थी और बुधवार सुबह सांसें थम गईं। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। कल्याण ने 17 जून को वारंगल के पास हनुमाकोंडा में घर जाकर उससे मुलाकात की थी। इस दुर्लभ विकार के कारण निरंजन का विकास थम गया था और वह बिस्तर पर रहने को मजबूर था। जन सेना के अध्यक्ष कल्याण को उनकी पार्टी के नेताओं ने बताया था कि निरंजन उनसे मिलना चाहता है।

यह ‘गुड्डे-गुड़िया का खेल नहीं’, पंजाब कांग्रेस नेतृत्व पर आलाकमान का फैसला अंतिम : बघेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने बुधवार को प्रदेश में पार्टी के नेतृत्व में किसी भी बदलाव की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि ऐसे फैसले ’गुड्डे-गुड़ियों का खेल’ नहीं हैं, जिन्हें बार-बार बदला जाए। उन्होंने कहा कि नेतृत्व पर आलाकमान का फैसला अंतिम है। यहां पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि वह जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके चरणजीत सिंह चन्नी से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस ने एक जुलाई को घोषणा की थी कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे।

वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

बताया जा रहा है कि शीर्ष पद नहीं मिलने से चन्नी नाराज हैं। सोमवार को मोहाली में चन्नी की मौजूदगी में कई वरिष्ठ नेताओं ने बैठक की। यह बैठक उन घटनाक्रमों के कुछ दिन बाद हुई, जब कई मौजूदा एवं पूर्व विधायकों ने उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए दोबारा विचार किए जाने का समर्थन दिया था। वडिंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए रखने के फैसले पर पुनर्विचार की अटकलों को खारिज करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रह चुके बघेल ने कहा, जब आलाकमान ने फैसला कर लिया है तो उसे बदला नहीं जाता। क्या यह कोई गुड्डे-गुड़ियों का खेल है कि बार-बार निर्णय बदला जाएगा।’’ चन्नी और एक अन्य वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा के अभी तक उनसे मुलाकात नहीं करने के बारे में पूछे जाने पर बघेल ने कहा, ‘‘मेरी उनसे (चन्नी) बात हुई है। मुलाकात होगी। रंधावा भी आकर मुझसे मिलेंगे।’’ बघेल सोमवार को पांच दिवसीय दौरे पर पंजाब पहुंचे, राज्य में अगले वर्ष की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने की आशंका से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,677 अंक फिसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान के साथ अंतरिम समझौता खत्म करने की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आने से बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,677 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 517 अंक टूट गया। विश्लेषकों ने कहा कि पहली तिमाही में कंपनियों के कमजोर नतीजों के अनुमान को लेकर निवेशकों में चिंता होने से भी बाजार में ‘जोखिम से बचने’ का रुख देखने को मिला।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,677.12 अंक यानी 2.15 प्रतिशत गिरकर 76,503.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,921.69 अंक लुढ़ककर 76,259.03 अंक पर आ गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 516.65 अंक यानी 2.12 प्रतिशत टूटकर 23,882.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल सभी 30 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), मारुति, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने की आशंका हावी होने से कच्चा तेल फिर से चढ़ गया।

सीआईसी की पावरग्रिड कॉरपोरेशन को निविदा संबंधी सूचनाएं सार्वजनिक करने की सलाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड निविदा से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा नहीं करती है जबकि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इसे पहले से उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

आयोग ने ‘महारत्न’ बिजली पारेषण कंपनी को सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत निविदा, बोलीदाताओं और ठेका आवंटन से जुड़े दस्तावेजों का स्वत: खुलासा करने की सलाह दी है। सीआईसी ने यह सलाह आरटीआई अधिनियम की धारा 25(5) के तहत एक अपील का निपटारा करते हुए दी। इस अपील में राजस्थान के झुंझुनू जिले के बाघोली गांव से गुजरने वाली 765 केवी फागी-भिवानी सर्किट-1 पारेषण लाइन से संबंधित जानकारी मांगी गई थी।

मराठवाड़ा इलाके में इस साल पहली छमाही में 465 किसानों ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। मध्य महाराष्ट्र के मराठवाड़ा इलाके में जनवरी से जून 2026 के बीच 465 किसानों ने आत्महत्या की, जिनमें से सबसे अधिक 109 मामले छत्रपति संभाजीनगर जिले से आए हैं। यह जानकारी बुधवार को एक आधिकारिक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल (2025) में मराठवाड़ा के अंतर्गत आने वाले आठ जिलों में किसानों की आत्महत्या के 1,131 मामले सामने आए थे। छत्रपति संभाजीनगर स्थित संभागीय आयुक्त कार्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी से जून के बीच मराठवाड़ा में किसानों की आत्महत्या के 465 मामले दर्ज किए गए। इसमें बताया गया है कि किसानों की आत्महत्या के सबसे अधिक 109 मामले छत्रपति संभाजीनगर जिले में सामने आए जबकि सबसे कम 26 मामले लातूर जिले में दर्ज किये गए। रिपोर्ट के मुताबिक आत्महत्या के 215 मामलों को सरकार से आर्थिक सहायता के लिए योग्य पाया गया, जबकि 26 मामलों को मुआवजे के लिए अयोग्य पाया गया। फिलहाल, 222 मामलों की जांच चल रही है और अब तक 108 मामलों में आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। रिपोर्ट में जनवरी से जून तक किसानों की आत्महत्या के जिलेवार आंकड़े दिये गए हैं। इसके मुताबिक छत्रपति संभाजीनगर जिले में 109, बीड में 95, धाराशिव में 65, नांदेड में 61, जालना में 40, परभणी में 34, हिंगोली में 35 और लातूर में 26 मामले सामने आए।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से 10 लाख रुपये की ठगी, तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे की 37 वर्षीय एक महिला को सरकारी नौकरी दिलाने का वादा कर उससे 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। कपूरबावड़ी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि ठाणे शहर के माजीवाड़ा इलाके की रहने वाली शिकायतकर्ता को कथित तौर पर पिछले साल 25 जून से 25 दिसंबर के बीच ठगा गया था।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान सतीश वानखेड़े, राजगुरु साहेब और कांबले (जिसका पूरा नाम नहीं बताया गया है) के रूप में हुई है। आरोप है कि उन्होंने महिला से संपर्क कर दावा किया कि वानखेड़े एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी हैं और वह उसे सरकारी नौकरी दिला सकते हैं। अधिकारी ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि उन्होंने महिला से 10 लाख रुपये लिए और उसे आश्वासन दिया कि उसे सरकारी नौकरी मिल जाएगी। हालांकि, बार-बार संपर्क करने के बावजूद, महिला को न तो वादे के मुताबिक नौकरी मिली और न ही उसे उसके पैसे वापस मिले। इसके बाद उसने पुलिस से संपर्क किया। कपूरबावड़ी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, मामले की जांच की जा रही है।

पुणे में कचरे का ‘पहाड़’ गिरने से एक इमारत ढही, 16 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका

पुणे/भाषा। पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवड़ में बुधवार को भारी बारिश के बाद, कचरे का एक बड़ा ढेर तीन मंजिला इमारत पर गिर गया, जिससे वह ढह गई और कम से कम 16 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना मोशी में हुई, जहां उस इमारत का इस्तेमाल एक निजी कंपनी के प्रशासनिक कार्यालय के तौर पर किया जा रहा था। यह कंपनी नगर निकाय की ओर से उस जगह पर कचरे के प्रसंस्करण का काम कर रही थी। पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के आयुक्त विजय सूर्यवंशी ने कहा, प्रशासनिक इमारत कचरे के पहाड़ जैसे ढेर के बगल में बनी थी। शुरुआती तौर पर ऐसा लगता है कि भारी बारिश की वजह से कचरे का ढेर ढीला हो गया और इमारत पर गिर पड़ा। उन्होंने कहा कि निजी कंपनी के करीब 16 कर्मचारियों के इमारत के अंदर होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन विभाग और एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंच गई हैं और बचाव अभियान जारी है।

नीट-यूजी 2027 : छह दिनों में करीब एक हजार केंद्रों पर कंप्यूटर आधारित परीक्षा कराने की योजना

नई दिल्ली/भाषा। चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अगले साल राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) कंप्यूटर आधारित होगी और इसे छह दिनों में करीब एक हजार केंद्रों पर आयोजित करने की योजना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। किसी भी स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए नीट सबसे बड़ी परीक्षा है और इसमें करीब 25 लाख अभ्यार्थी शामिल होते हैं। प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर पैदा हुए विवाद के बाद केंद्र सरकार ने घोषणा की कि अगले साल से नीट पारंपरिक कागज-कलम के बजाय कंप्यूटर-आधारित परीक्षा (सीबीटी) होगी।

सूत्रों ने बताया कि नीट-यूजी को

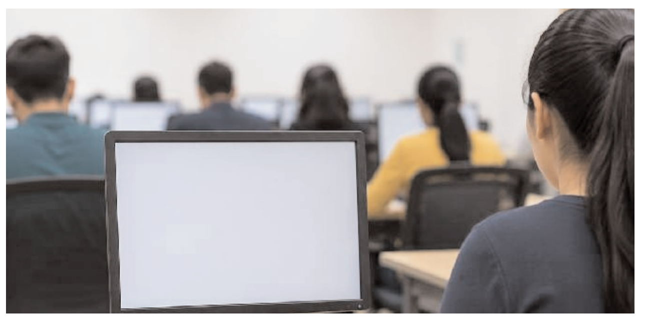

पारंपरिक कागज-कलम या ऑनलाइन कराने को लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालयों के बीच कई वर्षों से विस्तृत विचार-विमर्श चल रहा है। एक सूत्र ने बताया, अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए होने वाले जेईई (संयुक्त इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा)की तरह ही, यह परीक्षा भी कम से कम छह दिनों तक चलेगी। परीक्षा केंद्रों का चुनाव उनकी विश्वसनीयता और वहां मौजूद आधारभूत संरचना की जांच-पड़ताल के बाद किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इसकी विस्तृत योजना अभी तैयार की जा रही है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए)हर साल चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए नीट आयोजित करती है।

देश में एमबीबीएस (बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी) पाठ्यक्रम के लिए कुल 1,08,000 सीटें उपलब्ध हैं। एमबीबीएस पाठ्यक्रम में उपलब्ध सीट में से लगभग 56,000 सीट राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों और करीब 52,000 सीट निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की हैं। दंत चिकित्सा, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध जैसे स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी नीट के नतीजों का इस्तेमाल किया जाता है।

जूते में 320 ग्राम सोना छुपाकर ले जा रही महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। तुर्कमेनिस्तान से यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय(आईजीआई) हवाई अड्डे पर पहुंची एक महिला यात्री को सीमा शुल्क अधिकारियों ने सोने के बिस्कुटों की तस्करी करने के मामले में गिरफ्तार किया है। महिला के जूतों के भीतर से करीब 320 ग्राम वजन के पांच सोने के बिस्कुट बरामद किए गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, अश्गाबात से आई इस महिला यात्री को उसकी संदिग्ध गतिविधियों और हाव-भाव के आधार पर ’ग्रीन चैनल’ पार करने के बाद जांच के लिए रोका गया था।

बयान में कहा गया कि जब महिला के सामान की एक्स-रे जांच की गई तो उसमें कोई भी संदिग्ध चीज नजर नहीं आई। हालांकि, जब महिला सुरक्षा घेरे में लगे मेटल डिटेक्टर (धातु का पता लगाने वाले यंत्र) के बीच से गुजरी, तो मशीन से आवाज आने लगी।

बयान के मुताबिक, जब महिला को अपने जूते एक्स-रे जांच के लिए रखने को कहा गया तो उसने जूतों के भीतर छुपाए गए सोने के बिस्कुटों को निकालकर कहीं और छुपाने की कोशिश की। वहां मुस्तैद सीमा शुल्क अधिकारियों ने उसकी इस हरकत को देख लिया और महिला की व्यक्तिगत तलाशी के दौरान लगभग 320 ग्राम वजन के सोने के पांच बिस्कुट बरामद कर लिए। विभाग ने बताया कि मामले में कानूनी कार्रवाई और जांच की जा रही है।

'टीम कर्नाटक' हमारा मिशन है : शिवकुमार

■ बेंगलूरु के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे
■ कर्नाटक टैलेंटेड ह्यूमन रिसोर्स का हब है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार बेंगलूरु के बाहर ग्रोथ सेंटर बनाकर कर्नाटक के बाकी हिस्सों का विकास करने की कोशिश कर रही है। मान्यता टेक पार्क में आयोजित 'टारगेट इंडिया' इवेंट में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार बेंगलूरु के बाहर और बेंगलूरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। हम राज्य के टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी वे सभी सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो बेंगलूरु में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, बेंगलूरु में ऑफिस स्पेस का किराया 1 से 1.5 के बीच है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में यह आधे डॉलर में उपलब्ध है। हम वहां दोगुना एफएआर देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे उन शहरों में भी बहुमंजिला इमारतें बन सकेंगी। हम कर्नाटक में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दे रहे हैं। हम आपके सुझावों के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम आपको मजबूत होने के लिए हर तरह का सहयोग देने को तैयार हैं। अगर आप मजबूत बनेंगे, तो हम भी मजबूत बन सकते हैं। आप सभी कर्नाटक की तरक्की के पार्टनर और एंबेसडर हैं। हम इस राज्य और देश की तरक्की के लिए आपके साथ काम करेंगे। हम सब एक टीम हैं – 'टीम कर्नाटक'। आइए हम सब मिलकर काम करें। साथ आना एक शुरुआत है, साथ सोचना तरक्की है, साथ काम करना सफलता है।

उन्होंने कहा, हर महीने बेंगलूरु में 30,000 नए वाहन रजिस्टर हो रहे हैं। इसलिए हम ट्रैफिक के सुचारू संचालन को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमने पहले ही 350 किलोमीटर की मेट्रो कनेक्टिविटी की योजना बनाई है और अगले साल तक इसे 500 किलोमीटर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। आप सभी हेब्बल के पास ट्रैफिक जाम का सामना कर रहे हैं। इसलिए हमने एक छोटा टनल रोड प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके अलावा, हम बेंगलूरु में 40 किलोमीटर लंबी टनल रोड बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस पर जल्द ही कैबिनेट की बैठक में चर्चा होगी और जल्द से जल्द आदेश जारी किया जाएगा। साथ ही, हमने 44 किलोमीटर लंबे डबल-डेकर फ्लाईओवर प्रोजेक्ट की योजना बनाई है। हमने 133 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर प्रोजेक्ट की भी योजना बनाई है। हम 123 किलोमीटर लंबा बेंगलूरु बिजनेस कॉरिडोर भी बना रहे हैं। इसके पहले चरण पर हम 26,000 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। इस तरह हम बेंगलूरु की तरक्की की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम बेंगलूरु के विकास पर 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं।

हमारे राज्य में प्रतिभाशाली लोग हैं। हमारे राज्य में 25 प्रतिशत इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जिनसे हर साल 1.5 लाख इंजीनियर निकलते हैं। आज आपकी यहां मौजूदगी हम पर जताए गए भरोसे का सबूत है। हम पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद।

अपने सुझावों के ज़रिए आप इस राज्य को एक नया रूप दे रहे हैं। हमारे साथ काम करने वाला कोई भी व्यक्ति निराश होकर नहीं लौटा है। बेंगलूरु एक ग्लोबल शहर है और भारत की पहचान बेंगलूरु से होती है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हमें बेंगलूरु में उद्योगों को ज़रूरी मदद देनी चाहिए और वह भी हमारे साथ मिलकर काम करेंगे, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि जो कंपनियाँ कर्नाटक आई हैं, उन्होंने यहाँ की क्षमता और प्रतिभा को पहचाना है। हम आगे चलकर रिसर्च को ज़्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं और सिर्फ़ बेंगलूरु में ही नहीं, बल्कि कर्नाटक के दूसरे हिस्सों में भी उद्योग लगाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारे दोस्तों ने यह राय दी है कि महाराष्ट्र उद्योगों के लिए महंगा हो गया है, इसलिए कर्नाटक उनके लिए एक बेहतर विकल्प है। हर कोई अपना ऑफ़िस का काम खत्म करके 30-40 मिनट में घर पहुँचना चाहता है। कर्नाटक इन सभी बातों का ध्यान रख रहा है।

कर्नाटक में एआई विश्वविद्यालय स्थापित करने का विचार, उद्योगों से सुझाव मांगे गए : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विश्वविद्यालय स्थापित करने पर विचार कर रही है और इस संबंध में उद्योग से सुझाव मांगे गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ऐसा माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जहां कारोबारी विश्वास के साथ नवोन्मेष भी कर सकें, विश्वस्तरीय मेधा तक पहुंच हो और वे वैश्विक स्तर पर अपना विस्तार कर सकें। उन्होंने कहा, हम मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि वैश्विक प्रौद्योगिकी और उद्यमी क्षमताओं की अगली पीढ़ी की कल्पना, अभियांत्रिकी और विस्तार कर्नाटक से ही होता रहे।

शिवकुमार ने यहां 'कैटलिस्ट कनेक्ट: चीफ मिनिस्टर्स मीट विथ ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) लीडर्स' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने कर्नाटक डिजिटल अर्थव्यवस्था मिशन के साथ मिलकर किया था। यह कार्यक्रम जीसीसी के लिए सरकार की विशेष व्यापार सुगमता पहल का हिस्सा था। इसका उद्देश्य निवेश की प्रक्रिया को आसान बनाना, कामकाज से जुड़ी चुनौतियों को दूर करना और जीसीसी व सरकार के बीच तेजी से समन्वय स्थापित करना है।

शिवकुमार ने कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''एक एआई विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव है और हमने सभी से सुझाव मांगे हैं। यह एक नया विचार है। दुनिया को जिस चीज की भी ज़रूरत है, हम उसे बेंगलुरु से उपलब्ध कराना चाहते हैं और दुनिया भी इसके लिए बेंगलुरु की ओर ही देखती है। हमने सुझाव मांगे हैं।'' उन्होंने रेखांकित किया कि इस कार्यक्रम में 200 से अधिक जीसीसी हस्तियों ने हिस्सा लिया और सरकार को कई सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, पूरी दुनिया बेंगलुरु की ओर देख रही है और उन्होंने यहां अपनी ज़रूरतों के बारे में सुझाव दिए हैं। शिवकुमार के साथ गृह, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और ई-शासन मंत्री प्रियंक खरगे और अन्य लोग मौजूद थे।

देह व्यापार का रैकेट चलाने के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु के कुछ इलाकों में किराए के मकानों में कथित तौर पर देह व्यापार का रैकेट चलाने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) के महिला सुरक्षा दस्ते ने तीन जुलाई को मिली जानकारी के आधार पर हाल में ये गिरफ्तारियां कीं।पुलिस ने बताया कि प्राप्त सूचना के आधार पर सीसीबी के महिला सुरक्षा दस्ते के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अलग-अलग तारीखों पर चिह्नित जगहों पर छापेमारी की।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस अभियान के दौरान दो महिलाओं को पकड़ा गया जो कथित तौर पर दूसरी महिलाओं का शोषण करके देह व्यापार का रैकेट चला रही थीं, जबकि देह व्यापार के लिए मजबूर की गईं दो महिलाओं को मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पकड़ी गई महिलाओं ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि अधिक धन कमाने के इरादे से वे फोन पर संभावित ग्राहकों से संपर्क करती थीं तथा देह व्यापार के इच्छुक ग्राहकों को किराए के मकानों में बुलाती थीं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ गिरिनगर थाना और गोविंदराजनगर थाने में मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की जांच जारी है।

रेल व्हील फ़ैक्टरी ने मनाया रेलवे सप्ताह, दर्ज किया रिकॉर्ड उत्पादन और टर्नओवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेल व्हील फ़ैक्टरी (आरडब्ल्यूएफ) ने 8 जुलाई को अपना 70वां रेलवे सप्ताह समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में पिछले साल संगठन की शानदार उपलब्धियों को सराहा गया और कर्मचारियों को उनकी बेहतरीन सेवा और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि रेल व्हील फ़ैक्टरी के महाप्रबंधक मनोरंजन प्रधान थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को उनके शानदार योगदान के लिए 'विशिष्ट रेल सेवा' और 'रेल सेवा' प्रमाण पत्र प्रदान किए। अपने संबोधन में प्रधान ने आरडब्ल्यूएफ टीम की सराहना की, जिसकी बदौलत फ़ैक्टरी ने वर्ष 2025-26 के दौरान कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आरडब्ल्यूएफ माल और यात्री गाड़ियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले पहियों, एक्सल और व्हीलसेट की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित कर भारतीय रेलवे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

यलहंका स्थित फ़ैक्टरी की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए महाप्रबंधक ने बताया कि आरडब्ल्यूएफ ने साल 2025-26 के दौरान अब तक का सबसे अधिक उत्पादन दर्ज किया है। इस दौरान 2,10,026 पहिए (4 प्रतिशत वृद्धि), 1,22,000 एक्सल (30% वृद्धि) और 1,20,100 व्हीलसेट (22% वृद्धि) का उत्पादन किया गया। इसके साथ ही फ़ैक्टरी ने अपने इतिहास में सबसे अधिक 1,16,561 व्हीलसेट और 40,869 लूज़ एक्सल की रिकॉर्ड आपूर्ति भी की है। वित्तीय मोर्चे पर फैक्टरी ने 3,005.39 करोड़ का वार्षिक टर्नओवर दर्ज किया और स्क्रैप की बिक्री से 36.19 करोड़ कमाए। इस कार्यक्रम का समापन रेल व्हील फ़ैक्टरी के केंद्रीय विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ।

कर्नाटक में 10 सरकारी अधिकारियों के परिसरों पर लोकायुक्त का छापा

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त ने आय के ज्ञात स्रोत से कहीं अधिक संपत्ति रखने के आरोप बुधवार को राज्य भर में कई जगहों पर 10 सरकारी अधिकारियों के परिसर पर एक साथ छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बेंगलूरु शहर, बेंगलूरु दक्षिण, रायचूर, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, शिवमोगा और कलबुर्गी में इन अधिकारियों से जुड़े घरों और परिसरों पर छापेमारी की गई। लोकायुक्त के अनुसार, जिन अधिकारियों के परिसरों पर छापेमारी की गई उनमें रायचूर में कृष्ण भाग्य जल निगम लिमिटेड के कार्यकारी अभियंता बासनगौड पाटिल; चित्रदुर्ग में कृषि अभियांत्रिकी (बागवानी) विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर शंकर एम; चित्रदुर्ग में वॉटरशेड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में रेंज वन अधिकारी डुगप्पा बी एच और बेंगलूरु में लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता नरेंद्र कुमार शामिल हैं। अन्य लोगों में कर्नाटक रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (केआरआईडीएल), बेंगलूरु रेंज कार्यालय में अधीक्षक अभियंता प्रवीण बी श्री हरि, बेंगलूरु में कृषि उपज बाजार समिति में उप निदेशक (प्रशासन) पुष्पा डी आर शामिल हैं। तुमकुरु में लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता मधुसूदन एन, बेंगलूरु दक्षिण में कुंबलगोडु पंचायत में पीडीओ, आरडीपीआर थिम्मे गौड़ा, शिवमोगा में वन विभाग के अनुसंधान प्रभाग में सहायक वन संरक्षक किरण अंगदी और कलबुर्गी में गुलबर्ग इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी लिमिटेड (जीईएससीओएम) में सहायक कार्यकारी अभियंता (इलेक्ट्रिकल) अमृत राव के परिसर पर भी छापा मारा गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

बेहतर वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए सलाहकार की नियुक्ति

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध जगह / स्पेस के बेहतर वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए कंसल्टेंट की नियुक्ति हेतु **'रुची की अभिव्यक्ति' (ईओआई)** आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक और योग्य संस्थाएं निर्धारित प्रारूप में अपना 'रुची की अभिव्यक्ति' जमा कर सकती हैं।

ईओआई को 21.07.2026 को 15:00 बजे या उससे पहले जमा करना होगा।

ईओआई दस्तावेज़ दक्षिण पश्चिम रेलवे की वेबसाइट https://swr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

PUB/274/AAF/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक/बेंगलूरु

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 23/2026, दिनांक: 03.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए केवल आईआरईपीएस माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते है: **निविदा समापन होने का समय: 10:30 बजे**

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा अंतिम तिथि
1	79261159ए	एसी प्रथम क्लॉस कोचों छोड़कर पूरा एस कोचों के लिए 1220 मिमी. का फायर रिटार्डेंट कर्टेन फैब्रिक	14242 मीटर	23.07.2026
2	78265005	हेवी ड्यूटी सेलेक्टीव पैलट रैकिंग सिस्टम एड्जस्टबल टाईप का डिज़ाइन, आपूर्ती, स्थापना और कमीशनिंग	1 सेट	27.07.2026
3	12265006	पिनियन के साथ (बिना एमएसयू, गियर केस, गियर व्हील) कन्वेंशनल मेमू के लिए सही ट्रैक्शन मोटर	5 नं.	28.07.2026
4	29265022	डब्ल्यूएपी-7 3-फेज़ इलेक्ट्रिक लोकोमोटीव के लिए 7775 केवीए टाईप मेन ट्रॉन्शफॉर्मर	1 नं.	29.07.2026
5	12265007	3 फेज़ मेमू के लिए एल्स्टॉम मेक, पिनियन के साथ ट्रैक्शन मोटर	4 नं.	29.07.2026
6	31261363	ब्रष होल्डर एसेम्बली	352 सेट	29.07.2026
7	29261714	02 आईटम और 03 नं. जिसमे शामिल हुआ माऊंट सेट - एलजी मेक	190 सेट	30.07.2026
8	60268780	60इ1ए1 थिक वेब टंग रेलों के साथ साथ 10125 मिमी. कर्व्ड स्विचों का निर्माण और आपूर्ती	582 सेट	31.07.2026
9	29265019	आईजीबीटी आधारित 3-फेज़ ड्राईव प्रोपल्शन उपकरणों	1 सेट	31.07.2026
10	29261002	डब्ल्यूएपी-7/डब्ल्यूएजी-9 लोको के लिए स्टील लॉक नट्स	198 सेट	01.08.2026
11	12265008	4500 एचपी डब्ल्यूडीपी4 बी लोकोमोटीव के लिए ट्रैक्शन मोटर टाईप 3 फेज़ इंडक्षन मोटर	12 नं.	03.08.2026
12	30261572	उन्नत सामर्थ्य वाली थर्मोप्लास्टिक पॉलियस्टर एलास्टोमर लोवर वाशर	4530 नं.	03.08.2026
13	29261761	डब्ल्यूएपी-7 लोको का ब्रेक रिगिंग के लिए पिन और बुश का सेट	145 सेट	03.08.2026

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/277/AAF/PRB/SWR/2026-27 प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, हुबली

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

भारतीय रेलवे और एनडीएम का नेशनल कॉन्क्लेव में आपदा प्रबंधन और नई टेक्नोलॉजी पर ज़ोर

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएम) और इंडियन रेलवेज़ इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिजास्टर मैनेजमेंट व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के साथ मिलकर डिजास्टर मैनेजमेंट इंडियन रेलवेज़ एनडीएम- नेशनल कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कॉन्क्लेव में भारतीय रेल, एनडीएम, रेलवे बोर्ड, आईएमडी, सेंट्रल वॉटर कमीशन, इसरो, आईआईसाइंस, आईआईटी मद्रास, एनडीआरएफ, सशस्त्र बलों, शिक्षा जगत और इंडस्ट्री के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उन्होंने रेलवे नेटवर्क में आपदा की तैयारी और उससे निपटने की क्षमता को मज़बूत करने पर चर्चा की।

कॉन्क्लेव की शुरुआत बेंगलूरु डीआरएम आशुतोष कुमार सिंह के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद दक्षिण पश्चिम रेलवे के जनरल मैनेजर पी. अनंत, एडीएम के सदस्य और एचओडी कृष्णा एस. वत्सा और रेलवे बोर्ड के डीजी/सुरक्षा हितेंद्र मल्होत्रा ने वर्चुअली संबोधित किया। चर्चा का मुख्य केंद्र टेक्नोलॉजी, संस्थागत सहयोग और सक्रिय जोखिम प्रबंधन के ज़रिए आपदा की तैयारी को बेहतर बनाना था। इंडियन रेलवेज़ के डिजास्टर रिस्पॉन्स मैकेनिज़्म पर प्रेजेंटेशन देते हुए, इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर एस. बैरवा ने सुरक्षा और आपदा से निपटने में इंडियन रेलवेज़ की सदियों पुरानी विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने इंडियन रेलवेज़ की खास खूबियों, व्यापक डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान, आपदा प्रबंधन के तरीकों में लगातार सुधार और आधुनिकीकरण व व्यवस्थित तैयारी के ज़रिए एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) की बेहतर रिस्पॉन्स क्षमताओं के बारे में विस्तार से बताया।

भारत सरकार
कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंज़िल,
प्लाट झ-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुड़गाँव, हरियाणा - 122050.
ईमेल: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated
Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना

कंपनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कंपनी (कंपनी रजिस्टर से कंपनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2026-27/685 दिनांक : 01/07/2026

संदर्भ:

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (44) कंपनियों के नाम कर्नाटक राज्य से हटाने के मामले में:

S.no.	Work Item	CIN	Company Hindi Name
1	AC3905793	U74900KA2012PTC063757	स्टार सोर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
2	AC3877289	U74120KA2010PTC052935	टचस्टोन असेसमेंट कंसोर्टियम प्राइवेट लिमिटेड
3	AC3847948	U77210KA2025PTC204252	स्ट्राइडऑन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
4	AC3782122	U74110KA2020PTC141546	सीमैडिक होम्स प्राइवेट लिमिटेड
5	AC3948627	U45309KA2018PTC111965	डिज़िरिन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
6	AC3755840	U72200KA2011FTC058366	साइबरस्प्रिंग टेक्नोलॉजीज़ (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
7	AC3649033	U70109KA2013PTC071155	जीआईएम प्रॉपर्टीज एंड मार्केटिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
8	AC4055591	U72900KA2022PTC161447	श्री डिजिटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
9	AC3946547	U47733KA2025PTC212885	बिलियनराइज़ क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड
10	AC4073259	U74101KA2024OPC184210	आरिस्टोर टेक्सटाइल (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
11	AC4000570	U15532KA2017PTC101886	मधुलोका विंटनर्स प्राइवेट लिमिटेड
12	AC4009476	U52500KA2016PTC085675	राघव कॉपर एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड
13	AC3975978	U80903KA2021PTC149607	नेक्स्टमैजिक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
14	AC3973190	U70200KA2024PTC189564	बिज़किंग्ज़ आपन परिवार प्राइवेट लिमिटेड
15	AC4031966	U72200KA2010PTC054382	प्रोक्यूब्ड टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
16	AC3954344	U72900KA2021PTC143126	मेडबिक्री टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
17	AC3994531	U01100KA2022PTC163958	कापी पुष्पक प्लांटेशन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
18	AC3897579	U74900KA2015PTC081503	इंडविया बायोटेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
19	AC3915091	U14101KA2025PTC200921	इविया लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड
20	AC3902517	U74200KA2011PTC060280	लेटरल आर्किटेक्चरल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
21	AC3880035	U47721KA2024PTC189622	प्योरमेड फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
22	AC4043286	U74999KA2021PTC147174	आईमॉक मास्टर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
23	AC3912348	U17299KA2019PTC127502	अथर्वा साइज़र्स एंड वार्पर्स प्राइवेट लिमिटेड
24	AC4041535	U74900KA2015PTC080106	स्वस्ति यूरोलॉजी एंड नेफ्रोलॉजी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड
25	AC3831340	U93000KA2019OPC122974	ब्रेनरिज कंसल्टिंग (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
26	AC3811206	U70109KA2022PTC165185	आस्थी अपॉर्च्युनिटी बीटा प्राइवेट लिमिटेड
27	AC3801679	U85100KA2015PTC078230	नी क्लीनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
28	AC3772984	U26515KA2025PTC203560	सैफ्रन रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
29	AC3740793	U85110KA2000PTC027138	एन. एम. हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड
30	AC3722483	U47735KA2023PTC176344	तीर्थिका डिवाइनस्टोर प्राइवेट लिमिटेड
31	AC3762012	U72900KA2014PTC074497	समसृष्टि सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
32	AC3703688	U86909KA2025FTC200236	हेल्थ इंटेलविड एआई प्राइवेट लिमिटेड
33	AC3698572	U10790KA2025PTC200884	इनफिनिटडॉट्स प्राइवेट लिमिटेड
34	AC3645656	U40104KA2015PTC083355	सियान पावर स्वर्ल प्राइवेट लिमिटेड
35	AC3633987	U85499KA2024PTC194690	थाव्मा चैंपियंस सर्कल लीडरशिप डेवलपमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
36	AC3673458	U52590KA2016PTC087150	क्रीसु इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड
37	AC4134757	U85499KA2023PTC179425	एल्गोमाइंडहब प्राइवेट लिमिटेड
38	AC4103778	U74999KA2016OPC098922	मेडट्रेसेनेक्स हेल्थ (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
39	AC4087414	U70200KA2024PTC189502	फ्यूज़नाइज़ बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
40	AC4045723	U56301KA2024PTC189169	वी. थाई फ्यूज़न प्राइवेट लिमिटेड
41	AC4091117	U93090KA2018PTC118528	इंटेलिकूल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
42	AC4098417	U47630KA2023PTC171272	स्टायलर स्पोर्ट्स इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
43	AC4059324	U52599KA2020PTC136571	चाचा मार्ट प्राइवेट लिमिटेड
44	AC3786661	U72300KA2013PTC068851	अप्लाइड सिंगुलैरिटी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कंपनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कंपनियों के नाम कंपनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कंपनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कंपनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कंपनी ने निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कंपनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अत: कंपनी रजिस्ट्रार से अपना / अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।

3. तदनुसार, कंपनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कंपनियों के नामों को कंपनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कंपनी को कंपनी रजिस्ट्रार से कंपनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

रौनक अग्रवाल
उप - पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0300/2627

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सौर ऊर्जा को बनाया वैश्विक जन-आंदोलन : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है जिसके साथ 128 देशों के समूह वाले इंटरनेशनल सोलर अलायंस (आईएसए) ने फ्रेमवर्क फॉर एक्शन-एडवांस क्लीन एनर्जी, ड्रिवन सस्टेनेबल डवलपमेंट पर हस्ताक्षर किए है। यह इस बात का प्रतीक है कि राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल देश का बल्कि दुनिया का प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर फ्रेमवर्क फॉर एक्शन-एडवांस क्लीन एनर्जी, ड्रिवन सस्टेनेबल डवलपमेंट पर ऊर्जा सचिव सुआरती डोगरा एवं इंटरनेशनल सोलर अलायंस के महानिदेशक आशीष खन्ना ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों की अगुवाई कर रहा है। इंटरनेशनल सोलर अलायंस भी प्रधानमंत्री की इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसने सौर ऊर्जा को वैश्विक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया है। उन्होंने कहा कि आज हस्ताक्षरित हुआ फ्रेमवर्क फॉर एक्शन स्वच्छ, सुरक्षित और भविष्य के अनुरूप ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईएसए के साथ इस साझेदारी से प्रदेश परंपरागत ऊर्जा से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ेगा। इसके अंतर्गत सौर ऊर्जा के विस्तार, प्रसारण और वितरण की व्यापक योजना तैयार की जाएगी जिससे आपूर्ति में बड़ा सुधार आएगा और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियां राजस्थान को देश का अग्रणी अक्षय ऊर्जा राज्य बनाती हैं। राजस्थान इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी पॉलिसी में 125 गीगावॉट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य भी तय किया गया है। बैटरी एनर्जी स्टोरेज की पहल की गई है और सौर ऊर्जा को एकीकृत करने के लिए सहायक नीतियां बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि पीएम कुसुम योजना के माध्यम से 4 गीगावॉट से अधिक सौर क्षमता से किसानों को आज प्रदेश के 26 जिलों में दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने फ्रेमवर्क फॉर एक्शन की विशेषताओं की ओर इंगित करते हुए कहा कि इससे स्वच्छ ऊर्जा का सही तरीके से एकीकरण, प्रसारण, भंडारण और इस्तेमाल हो सकेगा। जैसे-जैसे हमारे ग्रिड में सौर ऊर्जा का हिस्सा बढ़ रहा है, हमें अपने पावर सिस्टम को और अधिक अनुकूल बनाना होगा। एनर्जी स्टोरेज, डिमांड साइड मैनेजमेंट, डिजिटलाइजेशन और स्मार्ट ग्रिड जैसे उपाय करने होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रसारण एवं वितरण तंत्र को मजबूत करने, ग्रिड क्षमता बढ़ाने, नवीकरणीय ऊर्जा के समुचित समावेशन और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ऊर्जा क्षेत्र में आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। आईएसए के साथ हुए इस फ्रेमवर्क फॉर एक्शन के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस का उपयोग किया जाएगा जिससे विद्युत सेवाओं में व्यापक विस्तार और सुधार होगा। इंटरनेशनल सोलर अलायंस के महानिदेशक आशीष खन्ना ने कहा कि राजस्थान पहला प्रदेश है जिसके साथ आईएसए ने फ्रेमवर्क फॉर एक्शन हस्ताक्षरित किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लागू की गई अनुकूल नीतियों एवं योजनाओं की बदौलत राजस्थान सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में देश में दूसरे स्थान पर है। वहीं, भारत का स्थान भी विश्व में दूसरे पायदान पर पहुंच चुका है।

उल्लेखनीय है कि आईएसए के साथ हस्ताक्षरित हुए फ्रेमवर्क फॉर एक्शन के माध्यम से राजस्थान के लिए वर्ष 2030-35 की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एनर्जी ट्रांजिशन प्लान तैयार किया जाएगा। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार, प्रसारण एवं वितरण तंत्र के सुदृढीकरण, ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण, ऊर्जा दक्षता, मांग प्रबंधन, निवेश योग्य परियोजनाओं की पहचान, ऊर्जा मॉडलिंग, संस्थागत क्षमता निर्माण तथा आवश्यक नीतिगत सुधारों जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। साथ ही, इसके अंतर्गत एआई एण्ड एनेबल्ड डिजिटाइजेशन कार्य किया जाएगा। विशेष रूप से अजमेर विद्युत वितरण निगम में डिजिटल ट्विन तकनीक पर आधारित पायलट परियोजना प्रारम्भ की जाएगी, जिससे विद्युत मांग का सटीक आकलन, नेटवर्क की बेहतर योजना, नवीकरणीय ऊर्जा का प्रभावी समावेशन तथा उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। इस सहयोग से राज्य के अभियंताओं एवं अधिकारियों को वैश्विक स्तर के प्रशिक्षण, ज्ञान साझाकरण और क्षमता निर्माण के अवसर भी प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित गति लाने और मुख्य सचिव को इस योजना की नियमित मॉनिटरिंग के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावी एवं दूरगामी कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने पीएम कुसुम योजना, आरडीएसएस, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली, ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर की समीक्षा करते इनसे संबंधित कार्यों में गति लाने के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के मौसम में विद्युत दुर्घटनाएं न हों तथा घरेलू उपभोक्ताओं, उद्योग एवं किसानों को पर्याप्त एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

सवाई मानसिंह अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के एक वरिष्ठ प्रोफेसर ने बुधवार सुबह जयपुर स्थित अपने घर में कथित रूप से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, डॉ. एन. एल. डिसानिया झोटवाड़ा क्षेत्र स्थित अपने मकान की ऊपरी मंजिल पर गए और टीनशेड में लगे हुक से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि डॉ. डिसानिया का बेटा अविनाश बुधवार सुबह छह बजे बहन को

जयपुर हवाई अड्डा छोड़ने गया था और परिवार के दूसरे सदस्य शादी में गए थे, जिसके चलते डिसानिा घर पर अकेले थे।

पुलिस के अनुसार जब बेटा वापस घर लौटा तो उसने डिसानिया को फंदे पर लटका देखा और तत्काल नजदीकी अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डिसानिया (58) सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में वरिष्ठ प्रोफेसर थे और फोरेंसिक मेडिसिन के विशेषज्ञ थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है। झोटवाड़ा थाने के सहायक उपनिरीक्षक राम सिंह ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। उन्होंने कहा, मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर डंपर ने मिनी वैन को मारी टक्कर, एक की मौत; 15 घायल

कोटा। कोटा में बुधवार को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दिल्ली जल बोर्ड कर्मियों के दो परिवारों को ले जा रही एक मिनी वैन को डंपर ने टक्कर मार दी। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। दोनों परिवार उज्जैन (मध्य प्रदेश) स्थित महाकाल मंदिर से लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि यह हादसा तड़के चार बजे सुल्तानपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत जालिमपुरा इंटरचेंज के पास हुआ। यह दुर्घटना केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के प्रस्तावित एक्सप्रेसवे निरीक्षण से कुछ घंटे पहले हुई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी चरण सिंह (50) के रूप में हुई है जबकि गंभीर रूप से घायल चार लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की बुधवार को राजधानी दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से मुलाकात हुई। इस दौरान राज्यपाल और वित्त मंत्री ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

राजस्थान में मानसून आगे बढ़ा, कई जगह जोरदार बारिश

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के साथ ही अनेक जगह पर भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में बारिश का दौर अभी कुछ दिन जारी रहेगा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बुधवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में कई स्थानों पर बादलों की गरज एवं बिजली की चमक के साथ तेज हवाएं चलीं। इस दौरान अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम और कहीं कहीं पर भारी बारिश हुई। सबसे अधिक 96.0 मिलीमीटर बारिश रामगंज मंडी (कोटा) में हुई।

मौसम केंद्र के अनुसार राज्य के दक्षिण-पश्चिम भागों में मानसून और आगे बढ़ा है। आगामी दो दिनों में बीकानेर संभाग व शेष भागों में मानसून के आगे बढ़ने की पूरी उम्मीद है। इसके असर से आज और कल दक्षिण-पूर्वी व पूर्वी राजस्थान के उदयपुर, कोटा संभाग व आसपास के क्षेत्र में कहीं-कहीं अतिभारी बारिश होने का अनुमान है। हालांकि 10 जुलाई से राज्य में भारी बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी। राज्य के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी दिनों में हल्की से मध्यम बारिश होने व एक दो स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

विधायक रवींद्र सिंह भाटी को न्यायालय से मिली राहत

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने मंगलवार को निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी और पांच अन्य लोगों के खिलाफ़ दर्ज मामले में कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया। यह मामला एक लोक गायिका की शिकायत पर दर्ज किया गया था। यह प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता की धारा 351 और 79 के तहत दर्ज की गई थी, जो कथित तौर पर आपराधिक धमकी और किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से किए गए कार्यों या कहे गए शब्दों से संबंधित है। वकील योगेंद्र सिंह चरण के ज़रिए उच्च न्यायालय से राहत की गुहार लगाने के बाद, न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित ने निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक इस मामले में कोई और कार्रवाई नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के साथ किए समझौते पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत सरकार के मार्गदर्शन एवं पड़ोसी राज्यों के साथ आपसी समन्वय एवं सहयोग से राजस्थान द्वारा हाल ही में पार्वतीकालीसिंध एवं चम्बल नदियों के जल के बेहतर उपयोग के लिए एमपीकेसी परियोजना तथा हथिणीकुंड बैराज से राजस्थान के शेखावाटी अंचल में जल उपयोग को लेकर हाल ही में ऐतिहासिक समझौते हुए हैं, जिससे कि राज्य के अभावग्रस्त क्षेत्रों में जल उपयोग के साथ ही सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति का रास्ता खुला है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच नर्मदा अवार्ड के लंबित भुगतान के निपटारे पर ऐतिहासिक समझौता हुआ । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में मंगलवार को महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता सरदार सरोवर परियोजना की निर्माण लागत में राज्यों की हिस्सेदारी से जुड़े लंबे समय से लंबित विवादों के अंतिम निपटारे (वन-टाइम सेटलमेंट) का मार्ग प्रशस्त करता है।

मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं राजस्थान द्वारा सहभागिता एवं सहकारी संवाद की भावना से वर्षों से लंबित नर्मदा नदी के लंबित मुद्दों का समाधान संभव हो पाया है। इस समझौते से नर्मदा नदी के जल का बेहतर उपयोग होगा। नर्मदा जल विवाद प्राधिकरण द्वारा वर्ष 1979 में अवार्ड के माध्यम से राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात एवं महाराष्ट्र के मध्य जल आवंटन किया गया था। इस अवार्ड के अंतर्गत क्लॉज खत/5 के प्रावधान के अनुसार कोई भी राज्य मानसून काल के दौरान उपलब्ध अधिशेष जल का उपयोग अपने राज्य में कर सकता है। यह अधिशेष जल उस राज्य के खाते में नहीं जोड़ा जाएगा। मानसून काल के दौरान प्राप्त होने वाले अधिशेष जल के भण्डारण हेतु वर्ष 202627 की बजट घोषणा के क्रम में डीपीआर तैयार करवाई जा रही है। इससे पश्चिमी राजस्थान के वंचित क्षेत्रों को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

नगरीय एवं ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन के कार्यों के त्वरित समाधान के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को आयोजित कमेटी ऑफ सेक्रेट्रीज की बैठक में केंद्र प्रायोजित योजनाओं, मदर सैंक्शन के अंतर्गत व्यय प्रगति, हरियालो राजस्थान अभियान तथा शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत वृहद स्तर पर किए जा रहे पौधारोपण कार्यों को मिशन मोड में समय पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्रचार-प्रसार माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया जाए। साथ ही संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का नियमित निरीक्षण एवं सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

बैठक में बताया कि राज्य सरकार ने इस वर्ष वर्षा ऋतु में 10 करोड़ से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पौधों का वितरण एवं पौधारोपण कार्य मिशन मोड में संचालित किए जा रहे हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जयपुर, बालोतरा, बाड़मेर, झालावाड़ एवं कोटा जिले अभियान के अंतर्गत पौधारोपण में अग्रणी हैं।

मुख्य सचिव ने शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर -2026 की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिविरों के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शिविरों में आने वाले नागरिकों के कार्यों का अधिकतम निस्तारण मौके पर ही सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

बैठक में बताया गया कि शहरी सेवा शिविर2026 के अंतर्गत अब तक 28 हजार से अधिक पट्टे वितरित किए जा चुके हैं। वहीं ग्रामीण सेवा शिविर2026 के तहत 7 हजार 314 शिविरों का आयोजन कर 38 लाख से अधिक नागरिकों को लाभान्वित किया गया है। साथ ही 12 हजार 800 से अधिक रास्तों को खुलवाया जा चुका है। बैठक में मुख्य सचिव ने मदर सैंक्शन के अंतर्गत प्राप्त राशि एवं व्यय की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि स्वीकृत राशि का निर्धारित समयावधि में पूर्ण एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रदेश के विकास कार्यों में तेजी आए और योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से आमजन तक पहुंचे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल एवं उद्यमिता संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन विभाग आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन विभाग आलोक गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग दिनेश कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा विभाग राजेश कुमार यादव सहित संबंधित विभागों के प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान में पहली बार होगी विदेश संपर्कस्टेट आउटरीच कॉन्फ्रेंस

मुख्य सचिव ने तैयारियों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने 'विदेश संपर्कस्टेट आउटरीच कॉन्फ्रेंस' की तैयारियों की समीक्षा की और सभी संबंधित अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने बुधवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में आयोजन की रूपरेखा, सेशन प्लान एवं स्पीकर्स, विभागवार दायित्व, अतिथि प्रबंधन, सत्रों के संचालन, लॉजिस्टिक्स, सुरक्षा व्यवस्था, मीडिया समन्वय एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 16 जुलाई को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में 'विदेश संपर्कस्टेट आउटरीच कॉन्फ्रेंस' का आयोजन होगा। इसकी सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय की सचिव (सीपीवी एवं ओआईए) श्रीमती श्रीप्रिया रंगनाथन एवं राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास करेंगे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित एवं वैध प्रवासन के प्रति लोगों और संबंधित हितधारकों को जागरूक करना, फर्जी एजेंटों और अवैध प्रवासन के तरीकों से बचाव के उपायों की जानकारी देना, विदेश मंत्रालय की कांसुलर, पासपोर्ट, वीजा एवं प्रवासी भारतीय से संबंधित योजनाओं और पहलों की जानकारी उपलब्ध कराना, विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों एवं श्रमिकों के हितों और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता बढ़ाना। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ी राज्य सरकार की विभिन्न पहल, निवेश एवं उद्योग की संभावनाएं, कौशल विकास, पर्यटन संवर्धन तथा प्रवासी समुदाय के साथ सहभागिता बढ़ाने संबंधी विषयों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय द्वारा विदेश संपर्क कार्यक्रम का शुभारंभ वर्ष 2017 में किया गया था। राजस्थान में यह कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया जा रहा है। तेलंगाना, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, पंजाब, त्रिपुरा, बिहार, उत्तराखंड तथा आंध्र प्रदेश राज्य सरकारों के सहयोग से आयोजित किया जा चुका है। बैठक में राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, उत्प्रवासी संरक्षक, उद्योग, पर्यटन, कौशल, वन,वित्त, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, सामान्य प्रशासन, कला एवं संस्कृति, सूचना एवं जनसंपर्क, रोजगार एवं उद्यमिता, श्रम, महिला एवं बाल विकास, गृह, बाल अधिकारिता, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर जयपुर, राजस्थान फाउंडेशन तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। इनके अतिरिक्त जोधपुर,जालोर, सीकर, झुंझुनू, नागौर, बाड़मेर,पाली तथा चुरू के जिला कलक्टर वीसी के माध्यम से जुड़े।

मुख्य सचिव ने सुशासन संबंधी भाषणों के संकलन का किया विमोचन

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास द्वारा विभिन्न समारोह, कार्यक्रम, बैठकों में सुशासन विषय पर व्यक्त विचार/भाषणों के संकलन को हरिशचंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान ने पुस्तिका के रूप में प्रकाशित किया है। इसका बुधवार को मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास, संस्थान की महानिदेशक श्रीमती श्रेया गुहा, अतिरिक्त महानिदेशक शाहीन अली ख़ान ने सचिवालय में विमोचन किया। यह पुस्तिका प्रशासनिक अधिकारियों, लोक प्रशासन और गुड गवर्नेंस के विद्यार्थियों व प्रबंधकों के लिए उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने सुशासन को सुदृढ़ बनाने, प्रशासनिक कार्यप्रणाली में नवाचार को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों-कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत आयोजित की जा रही कार्यशालाओं, क्षमता विकास कार्यक्रमों एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों एवं कार्मिकों के निरंतर कौशल विकास से शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाया जा सकता है।

इस दौरान हरिशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान की महानिदेशक श्रीमती श्रेया गुहा एवं अतिरिक्त महानिदेशक शाहीन अली ख़ान के साथ मिशन कर्मयोगी, क्षमता विकास कार्यक्रमों तथा सुशासन की दिशा में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परीक्षाओं में नकल के मुद्दे पर किया सपा पर तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बोर्ड परीक्षाओं में नकल के मुद्दे पर मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि नकल को 'जन्मसिद्ध अधिकार' बताने वाले लोगों ने प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' की शुरुआत करने के बाद अपने सम्बोधन में पूर्ववर्ती सपा शासनकाल में नकल माफिया की सक्रियता का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्व में हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और अन्य राज्यों के लोग यूपी बोर्ड की परीक्षा के लिए नामांकन कराते थे और उनका परीक्षा केंद्र वाराणसी, लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर या गोरखपुर में नहीं बल्कि बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ और मऊ में पड़ता था। उन्होंने कहा, ''हमने सोचा कि क्या बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ और मऊ शिक्षा के क्षेत्र में इतने आगे हो गये हैं, हमने कहा कि दाल में कुछ काला जरूर है और फिर हमने अभियान चलाया तो सारे कुकुरमुत्ते (नकल माफिया) और सारे अड्डे बंद हो गये।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच के दौरान तह में जाकर देखा गया तो मालूम हुआ कि परीक्षा के लिये फार्म भरने वाला छात्र तो नकल माफिया को ठेका देता था। उन्होंने कहा कि वह परीक्षा देने नहीं आता था और उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र उसके घर पहुंच जाया करता था।

आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिये बगैर कहा, ''यह बड़ी विचित्र सी स्थिति थी इसीलिए उत्तर प्रदेश के एक नेता ने कहा था कि नकल करना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। जब नकल करना ही जन्मसिद्ध अधिकार हो तो उसको क्या कह सकते हैं।'' 'नकल करना जन्मसिद्ध अधिकार' वाले बयान को सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव से जोड़कर देखा जाता है जिन्होंने वर्ष 1992 में उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा की तत्कालीन सरकार द्वारा लाये गये 'नकल विरोधी अध्यादेश' का पुरजोर विरोध किया था और वर्ष 1993 में प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने पर सबसे पहले इस अध्यादेश को वापस लिया था।

'काशी विश्वनाथ मंदिर में वाराणसी के निवासियों के दर्शन के लिए अलग मार्ग बनाए जाएं'

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन को वाराणसी के निवासियों की सुविधा के लिए एक अलग दर्शन मार्ग बनाने का निर्देश दिया।

उप जिलाधिकारी और मंदिर के अधिकारी शंभू शरण ने बताया कि बुधवार को वाराणसी दौरे के दौरान मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद नई व्यवस्था की घोषणा की गई है। उन्होंने बताया कि मंदिर ट्रस्ट ने स्थानीय श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 2024 में 'काशी द्वार' (गेट संख्या 4 ब) से प्रवेश की व्यवस्था की थी। शरण ने बताया कि पहले की व्यवस्था के तहत वाराणसी के निवासी सुबह चार से पांच बजे के बीच और फिर शाम चार से पांच बजे के बीच वैध पहचान पत्र दिखाकर मंदिर के गेट से प्रवेश कर सकते थे। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद, मंदिर प्रशासन ने स्थानीय निवासियों के लिए प्रवेश समय को पूरे दिन के लिए बढ़ाने का फैसला किया है।'' उप जिलाधिकारी ने बताया कि संशोधित प्रणाली के तहत वाराणसी के निवासियों को वैध पहचान दिखाने के बाद सुबह 4:15 मिनट से रात 10:45 बजे तक काशी द्वार (गेट संख्या 4 ब) के माध्यम से मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी।

आदित्यनाथ ने की मां विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिर्जापुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा-अर्चना की। विंध्याचल के पटेगरानाला हेलीपैड पर उतरे मुख्यमंत्री का प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया, जिसके बाद वह मां विंध्यवासिनी मंदिर गये। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मंदिर में लगभग 20 मिनट तक पूजा-अर्चना की जो विधायक रत्नाकर मिश्रा के सहयोग से संपन्न हुई।

मिर्जापुर में गंगा नदी के किनारे स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर देश के सबसे प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है और यहां खासकर नवरात्रि के दौरान हजारों श्रद्धालु आते हैं।

बदरीनाथ में चढ़ावे, दान में अनियमितता में निलंबित कर्मचारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के विख्यात बदरीनाथ धाम में चढ़ावे और दान के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं के आरोप में श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के निलंबित कर्मचारी प्रमोद नौटियाल के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बीकेटीसी के अध्यक्ष कार्यालय में व्यक्तिगत सहायक के रूप में तैनात नौटियाल के खिलाफ प्राथमिकी मंगलवार रात दर्ज की गयी। मामले की जांच के लिए बीकेटीसी द्वारा गठित चार सदस्यीय समिति द्वारा प्रथम दृष्टया आरोपों की पुष्टि होने के बाद नौटियाल को मंगलवार को निलंबित कर दिया गया था और उसके कुछ घंटों के बाद ही उनके खिलाफ बदरीनाथ पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है।

आगरा में इमारत ढहने से चार लोग घायल, एक महिला लापता

आगरा/भाषा। आगरा के सुभाष बाजार में बुधवार को बारिश के कारण नाले के ऊपर बनी इमारत ढहने से चार लोग घायल हो गए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि हादसे के बाद लापता हुई एक महिला की तलाश जारी है। बंसल ने बताया कि घटनास्थल पर दमकल की टीम मौजूद हैं और नगर निगम तथा कई विभागों को राहत बचाव कार्य में लगाया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि बताया जा रहा है कि बारिश की वजह से हादसा हुआ। सुभाष बाजार कमेटी मंत्री इंदर कुमार मगनानी ने बताया कि इमारत में स्थित दुकान के मालिक तोला राम (71), कृष्णा (25) लाला भाई (48) और एक बच्ची घायल हो गई। उन्होंने कहा कि गंगा देवी (55) लापता है। कुमार ने कहा कि दुकान बेहद जर्जर थी और मरम्मत के लिए नगर निगम से अनुमति मांगी गई थी।

इस्मा ने कहा, ई-20 पेट्रोल से गाड़ियों को नुकसान पहुंचने के दावे 'गुमराह करने वाले'

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय चीनी एवं जैव-उर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि ई-20 पेट्रोल से गाड़ियों को नुकसान पहुंचने, कीड़े-मकोड़े आने, बीमा अमान्य होने या ईंधन में सीधे गन्ने का रस मिलाने जैसे हालिया दावे 'गुमराह' करने वाले और तथ्यों के हिसाब से गलत' हैं। उद्योग निकाय ने अपील की कि एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल पर सार्वजनिक चर्चा वैज्ञानिक प्रमाण, प्रमाणित आंकड़ों और सरकारी स्पष्टीकरणों पर आधारित होनी चाहिए। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि भारत का एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, कड़ाई से परीक्षण, और लगातार निगरानी किया जाने वाला कार्यक्रम है, जिसे पेट्रोलियम विपणन कंपनियों, वाहन विनिर्माताओं, ईंधन जांच एजेंसियों और अन्य अंशधारकों के साथ मिलकर तैयार किया गया है। सरकार ने कहा कि ई-20 पेट्रोल की पेशकश के बाद से इंजन फेल होने या गाड़ी खराब होने की कोई घटना इससे जुड़ी नहीं पाई गई है।

केजरीवाल ने 29 वाहन निर्माताओं को पत्र लिखा, ई20 ईंधन से 'माइलेज' पर असर को लेकर जवाब मांगा

नईदिल्ली/भाषा आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को 29 वाहन निर्माताओं को पत्र लिखकर उनसे यह जानना चाहा कि ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों के 'माइलेज' और प्रदर्शन पर क्या असर पड़ता है। केजरीवाल ने कंपनियों से सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा। 'आप' प्रमुख ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और हीरो मोटोकॉर्प को अलग-अलग पत्र लिखे। उन्होंने इन कंपनियों के उन हालिया बयानों का जिक्र किया, जिनमें कहा गया था कि ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों के माइलेज' पर असर नहीं पड़ेगा। केजरीवाल ने अपने पत्रों में इन कंपनियों से लिखित आश्वासन मांगा कि अगर ई20 ईंधन के इस्तेमाल से ग्राहकों के वाहनों का 'माइलेज' घटता है या उनके प्रदर्शन पर कोई असर पड़ता है, तो निर्माताओं की ओर से उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। तीनों वाहन निर्माताओं ने इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। केजरीवाल ने 26 अन्य वाहन निर्माता कंपनियों को भी अलग-अलग पत्र लिखकर पूछा कि क्या पुरानी गाड़ियों में ई20 ईंधन का इस्तेमाल किया जा सकता है, ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों के 'माइलेज' पर कितना असर पड़ेगा और क्या इससे वाहनों में यांत्रिक खराबी आने का जोखिम है।

चंपत राय को तत्काल गिरफ्तार किया जाए, प्रधानमंत्री देश से माफी मांगें : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अयोध्या स्थित राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में मंगलवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ट्रस्ट के सदस्यों का चयन करने में ''अपनी गलती'' के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ नेता शक्ति सिंह गोहिल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में यह मांग फिर दोहराई कि इस पूरे मामले की जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में कराई जाए।

उन्होंने यह भी कहा, ''श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को तत्काल भंग किया जाए और उसकी जगह नया ट्रस्ट गठित किया जाए, जिसमें कौन लोग शामिल होंगे, उस बारे में सभी शंकराचार्य जी, उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश, निर्मोही अखाड़ा के प्रतिनिधि तथा साधु-संत मिलकर तय करें।'' गोहिल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को ''इस गलती'' के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए कि उन्होंने ट्रस्ट में साधु-संतो को शामिल नहीं करके चंपत राय जैसे लोगों को जगह दी। गोहिल का कहना था, राम मंदिर से चढ़ावा चोरी की बात सामने आने से पहले 16-18 लाख रुपये का चढ़ावा जमा होता था, लेकिन इसके सार्वजनिक होने के बाद यह राशि बढ़कर 24-26 लाख रुपये प्रतिदिन हो गई।

पटना अदालत ने खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की एक अदालत ने चर्चित शिक्षक फैसल खान उर्फ 'खान सर' की अग्रिम जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई पूरी करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत इस मामले में शुक्रवार को आदेश सुनाएगी। यह मामला जून की शुरुआत में हुई उस गोलीबारी की घटना से जुड़ा है, जिसमें खान सर के कोचिंग संस्थान में कथित तौर पर तोड़फोड़ किए जाने के बाद उनके सुरक्षाकर्मियों पर गोली चलाने का आरोप है।

खान सर की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता मुरारी तिवारी ने संवाददाताओं से कहा, अदालत ने आज दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद मामले में अपना फैसला 10 जुलाई तक के लिये सुरक्षित रख लिया है। अदालत के पहले के आदेशों के तहत खान सर को दी गई अंतरिम राहत अदालत का फैसला आने तक जारी रहेगी। अंतरिम राहत के तहत उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। तिवारी ने कहा कि खान सर की अग्रिम जमानत याचिका के अलावा उनके सुरक्षाकर्मियों की नियमित जमानत याचिका तथा कोचिंग संस्थान के तीन अन्य कर्मचारियों की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर भी अदालत में सुनवाई हुई। उन्होंने दावा किया कि खान सर का गोलीबारी की घटना से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। उनके अनुसार यह घटना 'निजी बचाव' (प्राइवेट डिफेंस) का मामला थी और खान सर ने जांच के हर चरण में पुलिस का सहयोग किया।

अमरनाथ यात्रा : इस साल 9,837 तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा जत्था जम्मू से रवाना हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 9,837 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू में भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष अब तक रवाना हुआ श्रद्धालुओं का यह सबसे बड़ा जत्था है, जिसमें 7,004 पुरुष, 2,810 महिलाएं, 21 बच्चे और दो ट्रांसजेंडर व्यक्ति शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, ''बम बम भोले'', ''हर हर महादेव'' और ''जय बर्फानी बाबा की'' के जयकारों के बीच 4,480 श्रद्धालु 173 गाड़ियों में मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए जबकि 5,354 तीर्थयात्री 188 गाड़ियों में दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पारंपरिक पहलगाम मार्ग की ओर बढ़े। इसके साथ ही दो जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से कुल 44,666 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना हो चुके हैं। अब तक 1.15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में भगवान शिव के हिमलिंगम के दर्शन किए हैं। अमरनाथ की 57 दिनों की यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के त्योहार पर संपन्न होगी।

बारुईपुर में लड़की से दुष्कर्म और हत्या का आरोपी मुठभेड़ में मारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। बारुईपुर में एक लड़की से दुष्कर्म और उसके बाद उसकी हत्या करने के मामले के मुख्य आरोपियों में से एक पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह मुठभेड़ मई में राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद इस तरह की पहली पुलिस कार्रवाई है। पुलिस की यह कार्रवाई इस घटना को लेकर बढ़ते जनाक्रोश के बीच हुई है। अधिकारियों के अनुसार आरोपी की पहचान प्रभास मंडल के रूप में हुई जिसे इस मामले में सबसे पहले गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि कथित दुष्कर्म और हत्या से पहले मंडल को सीसीटीवी फुटेज में लड़की के साथ देखा गया था।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंडल पूछताछ के दौरान जांचकर्ताओं को कथित तौर पर गुमराह कर रहा था और जांच में सहयोग नहीं कर रहा था, जिसके कारण जांच टीम घटना की कड़ियों को जोड़ने और अपराध में उसकी भूमिका का पता लगाने के लिए उसे मंगलवार रात 12 बजकर 45 मिनट पर दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर के सूर्यपुर ले गई थी। उन्होंने कहा,''इसी दौरान, उसने अचानक एक पुलिसकर्मी से उसकी सरकारी पिस्तौल छीनी और भागने का प्रयास किया। मंडल ने पुलिस टीम पर एक गोली भी चलाई। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें वह घायल हो गया।'' मंडल को बारुईपुर उप-मंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी मंडल की मां संध्या मंडल ने यह कहते हुए शव को लेने से इनकार कर दिया कि उसे अपने कर्मों का फल मिल गया है। बुधवार तड़के पुलिस द्वारा मंडल की मौत की सूचना दिए जाने के बाद उसकी मां ने कहा, उसने (मंडल ने) जो किया, उसे उसकी सजा मिल गई।

अनंतनाग में आतंकवादियों के तीन सहयोग गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ यात्रा के लिए लगाई गई चेहरा मिलान प्रणाली (एफआरएस) की मदद से आतंकवादियों के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि अनंतनाग पुलिस की ओर से लगाए गए एफआरएस ने सरबल इलाके से गुजर रहे तीन संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में समय रहते अलर्ट जारी किया। उन्होंने कहा कि इससे अमरनाथ यात्रा के लिए तैनात उन्नत निगरानी प्रणाली की प्रभावशीलता साबित होती है।

अधिकारी के मुताबिक, अलर्ट मिलने के बाद पुलिस कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों व्यक्तियों को रोका और उनकी पहचान का सत्यापन किया। उन्होंने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया के दौरान तीनों की पहचान आतंकवादियों के सहयोगियों के रूप में हुई।

निज्जर हत्याकांड में भारत सरकार की संलिप्तता का कोई सबूत नहीं मिला : कनाडा पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कनाडा में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हुई हत्या की जांच कर रहे अधिकारियों को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिनसे इस मामले में भारतीय सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता साबित होती हो। कनाडाई पुलिस की एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कनाडाई पुलिस का यह बयान कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों का खंडन करता है, जिनसे दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गये थे। अमेरिकी अधिकारियों ने जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर कनाडा में निज्जर की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

अमेरिकी अधिकारियों के इस आरोप के कुछ घंटों बाद रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की उपायुक्त लिसा मोरलैंड का यह बयान आया है। 'ऑपरेशन हार्डबॉल' नाम से चलाए गये संयुक्त अभियान के तहत अमेरिका, कनाडा और यूरोप की कानून प्रवर्तन एजेंसी 24 लोगों को पकड़ चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, ये सभी भारत से संचालित तीन अंतरराष्ट्रीय संगठित ''अपराध गिरोहों'' से जुड़े हैं। इन गिरोहों पर निज्जर की हत्या समेत हत्या, जबरन वसूली, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य कई गंभीर अपराधों के आरोप हैं। जांच से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए मोरलैंड ने कनाडा के सीबीसी न्यूज' को बताया कि जांचकर्ताओं को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि निज्जर की हत्या में भारतीय अधिकारी शामिल थे।

ट्रूडो के आरोपों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, इस संगठित अपराध जांच, लगाए गए आरोपों और अभियोग के आधार पर ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह संकेत मिले कि भारतीय अधिकारी इसमें शामिल थे। मोरलैंड ने कहा कि भारत सरकार ने जांच में पूरा सहयोग किया। निज्जर की ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के द्विपक्षीय संबंधों में खटास आ गई थी। ट्रूडो ने इस हत्या के पीछे भारत सरकार की भूमिका होने का आरोप लगाया था। भारत ने इन आरोपों को बेबुनियाद और राजनीतिक रूप से ''प्रेरित'' बताते हुए खारिज कर दिया था।

भाजपा उम्मीदवार घोषित होने के बाद बांकीपुर में प्रशांत किशोर की पदयात्रा

पटना/भाषा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर पटना बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में पदयात्रा की।

पार्टी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, यह पदयात्रा बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 35 और 29 में निकाली गई, जिसके दौरान किशोर ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। भाजपा द्वारा स्थानीय कार्यकर्ता अभिषेक कुमार को उम्मीदवार बनाए जाने के संबंध में पूछे जाने पर किशोर ने कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक

दल को अपना उम्मीदवार उतारने का अधिकार है। यह उनका आंतरिक मामला है। इस बीच किशोर ने इलाके में एक युवक के कथित अपहरण के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों से भी मुलाकात की। प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर रखी थी। यह मामला जक्कनपुर थाना क्षेत्र का है, जहां बंटी नामक एक व्यक्ति का कुछ दिन पहले कथित रूप से अपहरण कर लिया गया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को हटाया। किशोर ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि यदि निर्धारित समय के भीतर मामले का खुलासा नहीं हुआ तो वह फिर आएंगे और स्थिति का जायजा लेंगे। किशोर ने कहा, ''यहां लोग इसलिए प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि तीन दिन पहले एक युवक का अपहरण हुआ था। पुलिस ने हमें भरोसा दिलाया है कि दो दिन के भीतर मामले का समाधान कर लिया जाएगा।

सुविचार

जो इंसान अपने मन पर विजय पा लेता है, वह दुनिया की किसी भी चुनौती को हरा सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईरान में ट्रंप का उल्टा दांव

अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध रोकने के लिए हुए अंतरिम समझौते की स्याही भी नहीं सूखी थी कि एक बार फिर धमाके होने लगे हैं। इसकी आशंका पहले से थी। न तो अमेरिका शांति समझौता करने के लिए प्रतिबद्ध है, न ईरान की ऐसी नीयत है। जो कथित बुद्धिजीवी कह रहे थे कि 'मध्यस्थ की भूमिका निभाने से पाकिस्तान का कद बहुत बढ़ गया है और भारत की विदेश नीति दमदार नहीं रही', वे अब खामोश हैं। वास्तव में, यह पहले से साफ नजर आ रहा था। हमने 11 अप्रैल के संपादकीय (पाकिस्तान: मध्यस्थ या मोहरा?) में इस घटना के संकेत दे दिए थे- '... समझौता होने से पहले ऐसी तस्वीर है तो इसका भविष्य क्या होगा? ... दोनों तरफ के नेता आस्तीनें चढ़ा रहे हैं। अगर ऐसे माहौल में कोई समझौता हो गया तो वह कितने दिन टिकेगा? ट्रंप ने पाकिस्तान को बहुत सोच-समझकर बीच में लिया है।' इस सैन्य संघर्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति को बड़ी उलझन में डाल दिया। वे ईरान पर निर्णायक विजय चाहते थे। वे सबको दिखाना चाहते थे कि 'मैंने ईरान को घुटनों पर लाकर दुनिया को सुरक्षित बना दिया, अन्यथा एक बड़ी परमाणु तबाही हो सकती थी।' ट्रंप यह कहकर नोबेल शांति पुरस्कार के सबसे बड़े दावेदार बनना चाहते थे। हालांकि उनकी दावेदारी खटाई में पड़ गई। वे न तो ईरान को अपनी शर्तों पर झुका सके, न उस पर निर्णायक विजय प्राप्त कर सके। उन्होंने इस देश की सैन्य क्षमता का बहुत गलत आकलन किया था। ईरान को जान-माल का नुकसान बहुत हुआ, लेकिन उसने हार स्वीकार नहीं की। वह बिल्कुल नहीं झुका। उसे जहां मौका मिला, वहां पलटवार किया। इससे ट्रंप की छवि को गहरी चोट पहुंची है।

ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में उमड़ी भारी भीड़ को देखकर ट्रंप भी हैरान हैं। उन्होंने इस श्य की कल्पना नहीं की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति का अनुमान था कि खामेनेई की अंतिम यात्रा में गिनती के लोग आएंगे।

ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में उमड़ी भारी भीड़ को देखकर ट्रंप भी हैरान हैं। उन्होंने इस दृश्य की कल्पना नहीं की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति का अनुमान था कि खामेनेई की अंतिम यात्रा में गिनती के लोग आएंगे और ईरानी जनता इस बात के लिए आभार जताएगी कि व्हाइट हाउस ने हमें एक 'तानाशाह' से मुक्ति दिला दी। ट्रंप ईरानी समाज को समझ नहीं पाए। वे रेज़ा पहलवी को आगे कर सोशल मीडिया पर क्रांति के सब्ज बाग दिखाते रहे। आयतुल्लाह अली खामेनेई के शासन में ढेरों खामियां रही होंगी। उन पर विरोधियों के दमन और जनता पर अत्याचार के गंभीर आरोप लगे थे। उनके शासन में अर्थव्यवस्था बदहाल हो चुकी थी। उनके खिलाफ लोग आवाज़ उठा रहे थे। हालात जिस दिशा में जा रहे थे, उससे प्रतीत होता था कि जनता खुद ही साल-डेढ़ साल में खामेनेई को कुर्सी से उतार देगी। अमेरिका ने धावा बोलकर पूरी कहानी पलट दी। अब खामेनेई शहीदों में शुमार हो गए हैं। लोग उनके फैसलों की आलोचना से परहेज कर रहे हैं। रेज़ा पहलवी के अरमानों पर पानी फिर गया। ट्रंप हड़बड़ी में फैसले ले रहे हैं। उनका अगला कदम क्या होगा, संभवत: वे खुद नहीं जानते। उनके बयानों को कोई गंभीरता से नहीं लेता है। उनकी छवि को पलीता बहुत पहले लग गया था। अब अमेरिका में कई लोग उन्हें राष्ट्रपति से ज्यादा एक कॉमेडियन समझने लगे हैं। भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद केंद्र सरकार ने बहुत अच्छा प्रबंधन किया। अब हमें इतना आत्मनिर्भर जरूर बनना चाहिए कि जब विदेश में कोई युद्ध हो तो उसके शोले हमारे रसोईघर तक न पहुंचें। केंद्र सरकार को गैस सिलेंडरों के विकल्प पर तेजी से काम करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

बेंगलूरु के पास दूसरे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कंस्ट्रक्शन को लेकर आज विधान सौध के कमिटी रूम में एक हाई-लेवल मीटिंग हुई। इस समय, मिनिस्टर एम. बी. पाटिल, चीफ सेक्रेटरी डॉ. शालिनी रजनीश और दूसरे लोग मौजूद थे।

-डीके शिवकुमार

विधायक जसवंत सिंह गुर्जर की पत्नी श्रीमती पूनम गुर्जर जी के निधन की बहुत दुखद खबर मिली है।ङ्गङ्गहम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को अपने पवित्र चरणों में स्थान दें और दुखी परिवार को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति दें।

-दिया कुमारी

राज्य को आत्मनिर्भर और भविष्य की ऊर्जा ज़रूरतों के हिसाब से तैयार करने के मकसद से मुख्यमंत्री के घर पर ऊर्जा विभाग की एक मीटिंग हुई। मीटिंग में आम जनता को बिना रुकावट बिजली सप्लाई पक्का करन और कुसुम स्कीम में ज़रूरी तेज़ी लाने के निर्देश दिए गए।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

विश्वास की शक्ति

एक बार नारद जी ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा, 'प्रभु! इस संसार में आपका सबसे बड़ा भक्त कौन है?' श्रीकृष्ण मुस्कुराए और बोले, 'रुक्मिणी।' नारद ने आश्चर्य से पूछा, 'राधा नहीं? मीरा नहीं? यशोदा मैया नहीं? अर्जुन नहीं?' श्रीकृष्ण ने कहा 'रुक्मिणी ने मुझे पाने से पहले ही अपना मान लिया था।' नारद ने जिज्ञासा से पूछा, 'कैसे?' श्रीकृष्ण बोले, 'जब उसके भाई ने उसका विवाह शिशुपाल से निश्चित कर दिया था, तब उसने मुझे देखा तक नहीं था। फिर भी उसने मुझे एक पत्र लिखा।' नारद बोले, 'उस पत्र में क्या लिखा था?' श्रीकृष्ण ने उत्तर दिया, 'शब्द बहुत कम थे, पर विश्वास असीम था। उसने लिखा था, 'मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अवश्य आएंगे। यदि आप नहीं आए, तो भी मैं जीवनभर किसी और को अपना नहीं मानूंगी।' फिर श्रीकृष्ण ने मुस्कुराते हुए कहा, 'जो व्यक्ति तुम्हारे विश्वास के योग्य हो, उस पर विश्वास करना सामान्य बात है; लेकिन जो तुम्हारे विश्वास के कारण स्वयं को उस विश्वास के योग्य बना दे, वही सच्चा विश्वास है। रुक्मिणी ने मुझे मेरे सामर्थ्य से नहीं, अपने अटूट विश्वास से बांध लिया था।'

सामयिक

हर साल बदइंतजामी की बाढ़ में डूबती व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल 'प्राकृतिक आपदा' कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है।

हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है।

यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में लिडार' तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और रॉकफॉल बैरियर्स' के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूर्वानुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैंकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन (आपदा के बाद 'राहत' से आपदा से पहले 'तैयारी' की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट' को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही 'स्पंज सिटी' मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढ़लानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है।

जब तक इस पर सख्ती से निगरानी और पारदर्शिता नहीं लाई जाएगी, तब तक स्थिति में सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ होगा। यहां नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी भी इस संकट को बढ़ाती है। यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए आवश्यक है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक ईमानदारी को एक साथ लेकर चलें। यदि अब भी हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो मानसून हमारे लिए हर वर्ष राहत के बजाय आफत बनकर आता रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर एक दीर्घकालिक और ठोस रणनीति तैयार करें, तभी हम इस प्राकृतिक चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण दे सकते हैं।

ज्ञान विज्ञान

एआई के लिए ऊर्जा सबसे बड़ी चुनौती

ब्लैकरॉक के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी लैरी फिंक ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए सबसे बड़ी बाधा अब एडवांस्ड कंप्यूटर चिप्स नहीं, बल्कि बिजली की उपलब्धता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका को अपने पुराने हो चुके पावर ग्रिड को आधुनिक बनाना होगा, अन्यथा तकनीकी इनोवेशन की अगली लहर धीमी पड़ सकती है। सीएनएन के 'फरीद जकारिया जीपीएस' को दिए एक इंटरव्यू में फिंक ने कहा कि एआई का तेजी से विस्तार कंप्यूटिंग पावर की मजबूत मांग पैदा कर रहा है, जिससे अमेरिका के बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर की कमजोरियां सामने आ रही हैं। फिंक ने कहा, अमेरिका में हमारे पास पर्याप्त बिजली नहीं है। उन्होंने बिजली को एआई के विकास में सबसे बड़ी बाधा बताया।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास ऊर्जा के पर्याप्त संसाधन हैं, खासकर प्राकृतिक गैस, लेकिन बिजली को कुशलतापूर्वक वितरित करने के लिए जरूरी ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है।उन्होंने कहा, हमारे पास नैचुरल गैस से मिलने वाली बहुत अधिक बिजली है, लेकिन हम इसे सही तरीके से बांट नहीं पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश को अपने बिजली ग्रिड को बढ़ाने और अपग्रेड करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करना होगा।

उन्होंने कहा, अगर हम ऐसा नहीं करते हैं, तो हम एआई के क्षेत्र में सफल नहीं हो पाएंगे। एआई असल में इलेक्ट्रॉन्स का एक समूह है। इसलिए इलेक्ट्रॉन्स बनाने के लिए आपको बिजली की जरूरत होती है।फिंक ने कहा कि अभी एआई कंप्यूटिंग क्षमता की मांग सप्लाई से अधिक है, जिससे न सिर्फ एडवांस्ड चिप्स की, बल्कि बिजली और दूसरे जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर की भी कमी हो रही है।उन्होंने कहा, इस समय, सप्लाई से ज्यादा मांग है। अभी हमारे पास कंप्यूटिंग क्षमता की कमी है, जो मुझे लगता है कि आज हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है।उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक कंप्यूटिंग की लागत काफी कम नहीं हो जाती, तब तक छोटी संस्थाओं को एआई क्रांति का फायदा उठाने में मुश्किल हो सकती है।फिंक ने कहा, मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि ब्लैकरॉक या जे.पी. मॉर्गन के पास इन मॉडल्स में निवेश करने के लिए पैसे हैं या नहीं। लेकिन मुझे नगर पालिकाओं या अस्पतालों की बहुत चिंता है। क्या वे इसमें निवेश करेंगे? एआई टेक्नोलॉजी तक सबकी पहुंच बढ़ाने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका को एआई का लोकतंत्रीकरण करना चाहिए ताकि अस्पताल, स्थानीय सरकारें, ट्रांसपोर्ट सिस्टम और छोटे व्यवसाय भी एडवांस्ड एआई टूल्स का इस्तेमाल कर सकें। उन्होंने कहा, अगर हम ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो हमें कुछ गंभीर स्ट्रक्चरल समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। फिंक ने उन चिंताओं को भी खारिज कर दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भारी निवेश के बावजूद इक्विटी मार्केट्स एक सट्टा बुलबुले की स्थिति में हैं। इसके बजाय, उन्होंने कहा कि असामान्य रूप से ज्यादा मांग ने ऐसी कमी पैदा की है जिससे कुछ कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स के लिए काफी अधिक कीमतें वसूल पा रही हैं।

व्यापक अर्थव्यवस्था पर चर्चा करते हुए फिंक ने कहा कि हाल के भू-राजनीतिक झटकों, जिनमें ईरान से जुड़ा संघर्ष भी शामिल है, ने वैश्विक आर्थिक प्रणाली की मजबूती को साबित किया है।

ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि, सप्लाई में विविधता और टेक्नोलॉजी को अपनाने की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था ने असल में ज्यादातर दबावों को कम किया है। हम समस्याओं का समाधान करते हैं।

नजरिया

पानी बचाएंगे तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य होगा सुरक्षित

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

देश में हर साल मानसून आता है और सर्वत्र बारिश होती है, इसके बावजूद लोग पानी के लिए तरस जाते है। इसका एक मुख्य कारण है हम वर्षा जल का संचयन नहीं कर पाते। मौसम विभाग की माने तो मानसून भारत में प्रवेश कर चुका है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक बारिश शुरू हो गई है। मानसून अपने साथ अपार खुशियां लेकर आता है। लोगों को पीने के लिए जहाँ पानी मिलता है वहां किसान अपने खेतों में बुवाई शुरू कर देते है। बारिश से कई जगह बाढ़ की हालत भी हो गई है। वर्षा जल की एक-एक बूंद अनमोल है। जल है तो जीवन है। इसका संचय, संरक्षण से ही मानव जीवन की रक्षा संभव है। जल की अनावश्यक बर्बादी नहीं होने दें। जल संरक्षण के लिए सभी को जागरूक होना होगा और सामूहिक प्रयास करना होगा। इससे जल संरक्षण की दिशा में बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। देश में जल संसाधन सीमित और दुर्लभ हैं। पानी घट रहा है और साल 2050 तक यह कमी एक बड़ा संकट बन सकती है। ऐसे में हमें वर्षा जल संचयन जैसे जल संरक्षण के स्थायी तरीकों को अपनाना चाहिए। देशभर में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। राजधानी दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हुई। भूस्खलन एवं वर्षा के बाद विभिन्न घटनाओं में अनेक लोगों की मौत हो गई। हर साल की तरह इस साल भी देश में मॉनसून की एंट्री के साथ ही बाढ़ की तबाही भी शुरू हो गई है। वर्षा के जल को किसी खास माध्यम से संचय करने या इकट्ठा करने की प्रक्रिया को वर्षा जल संचयन कहा जाता है। विश्व भर में पेयजल की कमी एक संकट बनती जा रही है। इसका कारण पृथ्वी के जलस्तर का लगातार नीचे जाना भी है। इसके लिये अधिशेष मानसून अपवाह जो बहकर सागर में मिल जाता है, उसका संचयन और पुनर्भरण किया जाना आवश्यक है ताकि भूजल संसाधनों का संवर्धन हो पाये। अकेले भारत में ही व्यवहार्य भूजल भण्डारण का आकलन 214 बिलियन घन मी. (बीसीएम) के रूप में किया गया है जिसमें से 160 बीसीएम की पुन प्राप्ति हो सकती है। इस समस्या का एक समाधान जल संचयन है। यहाँ सवाल यह उत्पन्न होता है की भारी मात्रा में मानसूनी जल उपलब्ध होने के बावजूद हम जल संकट सामना क्योंकर कर रहे है। इसका जवाब है हमने अपने परंरागत जल श्रोत समाप्त कर दिए।

हमारे देश में हर साल मानसून में बहुत सा पानी व्यर्थ बह जाता है जिसके संचयन की कारगर व्यवस्था अब तक नहीं खोजी जा सकी है। साल भर में होने वाली बारिश का कम से कम 31 प्रतिशत पानी धरती के भीतर रिचार्ज के लिए जाना चाहिए। जब की केवल 13 प्रतिशत पानी ही धरती में समाता है। रिचार्ज नहीं होने की वजह से भूगर्भ में पानी की कमी हो जाती है और उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है।

भारत को कुए, बावड़ी टांकों और तालाबों का देश कहा जाता है। यहाँ लाखों की संख्या में परंपरागत जल श्रोत थे। नदियां हर समय पानी से लबालब भरी होती थी। इसके बावजूद हम जल समस्या का सामना कर रहे है। यह समस्या हर साल गहराती जा रही है। खेत तो दूर की बात पीने को भी पानी नहीं मिल रहा है। यही कारण है की भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय का गठन कर जल संचयन का बीड़ा उठाया है। हमारे देश में हर साल मानसून में बहुत सा पानी व्यर्थ बह जाता है जिसके संचयन की कारगर व्यवस्था अब तक नहीं खोजी जा सकी है। साल भर में होने वाली बारिश का कम से कम 31 प्रतिशत पानी धरती के भीतर रिचार्ज के लिए जाना चाहिए। जब की केवल 13 प्रतिशत पानी ही धरती में समाता है। रिचार्ज नहीं होने की वजह से भूगर्भ में पानी की कमी हो जाती है और उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है।मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ष देश में औसत बारिश हो सकती है। इस बारिश का संचय कर पेयजल संकट से निपटने के साथ खेतों में बंपर पैदावार हासिल की जा सकती है। देश इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है और इस आसन्न संकट पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो हालत बदतर होने की सम्भावना है। भारत अब तक के सबसे बड़े जल संकट से जूझ रहा है। देश के करीब 60 करोड़ लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। करीब %5 प्रतिशत घरों में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। साथ ही, देश में करीब 70 प्रतिशत पानी पीने लायक नहीं है। साफ और सुरक्षित पानी नहीं मिलने की वजह से हर साल करीब दो लाख लोगों की मौत होती है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है। अगर बरसात के बाद नदी-नालों से बहने वाले पानी का प्रभावी तरीके से संग्रहण किया जाय तो पानी कई गुना और ज्यादा मिलने लगेगा। वैश्विक संस्थाओं की लगातार चेतावनियों का लगता है लोगों पर कोई असर नहीं पड़ा है। विभिन्न संगठनों की पानी सम्बन्धी रिपोर्टों में साफ कहा गया है की भूगर्भ में अब पानी नहीं रहा है और वर्षात का पानी सहेजने में हम नकारा साबित हुए है। विशेषकर भारत में पानी के प्रति घोर लापरवाही का परिणाम आम आदमी को शीघ्र भुगतना होगा। दुनियाभर में 200 करोड़ से ज्यादा लोग साफ पानी और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईरान के सर्वोच्च नेता का पार्थिव शरीर इराक के नजफ लाया गया

नजफ (इराक)/एपी। अमेरिका और इजराइल के हमले में मारे गए ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का जनाजा बुधवार को इराक के नजफ शहर में हजारों शोकाकुल लोगों की मौजूदगी में उठाया गया। ईरान में खामेनेई के कई दिन तक चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार को हुई थी। इसके मद्देनजर प्राधिकारियों ने तेहरान में सड़कों, हवाई क्षेत्र और दैनिक गतिविधियों को बंद कर दिया था। खामेनेई का पार्थिव शरीर बाद में नजफ से कर्बला ले जाया जाएगा और फिर ईरान वापस लाया जाएगा। ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम समझौते पर बातचीत खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किए जाने तक रोक दी गई है। हालांकि, फारस की खाड़ी में मंगलवार और बुधवार को दोनों पक्षों की ओर से किए गए हमलों के कारण युद्ध को समाप्त करने के अंतरिम समझौते के टूटने का खतरा बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन पोतों पर हमले होने के बाद बुधवार तड़के ईरान पर ''जवाबी हमले'' किए और ईरान को वैश्विक बाजार में कच्चा तेल खुले तौर पर बेचने की अनुमति

देने वाले लाइसेंस को भी रद्द कर दिया। ईरान ने अमेरिका की इस कार्रवाई के बाद जबाव में बहरीन और कुवैत पर हमले किए। इससे पहले अमेरिका ने कहा था कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन पोतों पर हमला किया था।

खामेनेई का पार्थिव शरीर मंगलवार को इराक के उस शहर में लाया गया जिसे दुनिया भर के लाखों शिया मुसलमानों के लिए सबसे पवित्र शहरों में से एक माना जाता है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी नजफ पहुंचे। इस दौरान कुछ लोग दिवंगत सर्वोच्च नेता की तस्वीरें लिए हुए थे जबकि अन्य लोग सड़कों पर मातम करते नजर आए। खामेनेई का पार्थिव शरीर एक ताबूत में रखा गया जिस पर ईरान का झंडा लिपटा था और इसे कांच से ढका गया। शोकाकुल लोगों ने ईरान के झंडे के साथ-साथ शोक और बदले के प्रतीक लाल एवं काले झंडे भी लहराए।

अंतिम संस्कार में शामिल जाफर जवाद ने कहा, हम इराक के लोग दुश्मनों की आंखों की किरकिरी बने रहेंगे। उनका (खामेनेई के पार्थिव शरीर का) हमारे बीच लाया जाना हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इंशा अल्लाह, हम उनके वफादार रहेंगे। नजफ में जनाजे की नमाज इमाम अली की दरगाह पर अदा की जाएगी। नजफ के धार्मिक शिक्षण संस्थान के वरिष्ठ विद्वान मोहम्मद तकी अल-हकीम यह नमाज अदा कराएंगे।

कंबोडिया के अंगकोर वाट से म्यांमार के पगोडा तक : विदेशों में विरासत संवार रहा भारत

नई दिल्ली। कंबोडिया में अंगकोर वाट विरासत स्थल के प्रमुख हिस्सों के संरक्षण से लेकर श्रीलंका में भगवान शिव को समर्पित पांच प्राचीन मंदिरों में से एक के जीर्णोद्धार के लिए अनुदान सहायता प्रदान करने तक, भारत ने पिछले 12 वर्षों में अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए कई देशों की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नई दिल्ली की इस सांस्कृतिक कूटनीति में एक नया

अध्याय जोड़ते हुए, भारत अब इंडोनेशिया के योग्याकार्ता में स्थित प्रम्बानन मंदिर परिसर के संरक्षण और जीर्णोद्धार में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के इस विश्व धरोहर स्थल का दौरा किया और एक पट्टिका का अनावरण कर इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन किया। इससे एक दिन पहले, भारत और इंडोनेशिया ने इस संयुक्त संरक्षण परियोजना को लेकर एक आशय पत्र का आदान-प्रदान किया था, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भारतीय पक्ष की ओर से मुख्य एजेंसी होगी। इसके अलावा, अधिकारियों ने बताया कि साल 2022 से भारत ने कंबोडिया में अंगकोर वाट विरासत परिसर के प्रमुख हिस्सों के संरक्षण और जीर्णोद्धार में मदद की है, जिसमें ता प्रोम, अंगकोर वाट और प्रीह विहियर शामिल हैं।

यह भारत के बाहर हिंदू सभ्यता के सबसे बड़े केंद्रों में से एक की स्थापत्य विरासत को सहेजने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सांस्कृतिक सहयोग के दायरे को और बढ़ाते हुए, भारत ने साल 2017 में म्यांमा के बागान पुरातात्विक क्षेत्र में भूकंप से क्षतिग्रस्त हुए स्मारकों के जीर्णोद्धार के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे और एएसआई के माध्यम से 12 ऐतिहासिक पगोडा (बौद्ध स्तूपों) के पुनरुद्धार का काम हाथ में लिया था।

अभिवादन

इंडोनेशिया के योग्यकार्ता के दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने के लिए सड़कों के किनारे कतारों में खड़ीं युवतियां।

मेटा का सबसे उन्नत एआई इमेज जनरेटर 'म्यूज इमेज' पेश

नई दिल्ली/भाषा। प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा ने अपने अब तक के सबसे उन्नत एआई इमेज जनरेटर म्यूज इमेज' को पेश करने की घोषणा की है लेकिन इस कदम को डेटा गोपनीयता, इमेज-स्क्रैपिंग और सहमति से जुड़े सवालों के बीच आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इमेज-स्क्रैपिंग का मतलब ऑनलाइन मंचों से तस्वीरों को उपयोगकर्ता की स्पष्ट अनुमति के बगैर स्वचालित रूप से इकट्ठा करने से है। कंपनी ने कहा कि 'म्यूज इमेज' मेटा सुपरइंटेलिजेंस लैब्स द्वारा विकसित पहला मीडिया-जनरेशन मॉडल है, जो निर्देशों का सटीक पालन, मल्टी-रेफरेंस कम्पोजिशन और तस्वीर संपादन जैसी क्षमताएं प्रदान करता है।

मेटा ने कहा कि 'म्यूज इमेज' में 'कंटेंट सील' नामक एक अदृश्य वॉटरमार्किंग सिस्टम जोड़ा गया है, जिससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि कोई तस्वीर एआई से बनाई गई है या नहीं। कंपनी ऐसे डिटेक्शन टूल का भी परीक्षण कर रही है, जो इस वॉटरमार्क की पहचान कर सके। यह सेवा फिलहाल मेटा एआई ऐप, मेटा.एआई और अमेरिका में इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उपलब्ध है, जबकि कुछ देशों में सीमित तौर पर व्हाट्सऐप पर शुरू की गई है। इसे जल्द ही फेसबुक और अन्य मंचों पर भी उपलब्ध कराया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की प्रौद्योगिकी के व्यापक इस्तेमाल से ऑनलाइन सामग्री की विश्वसनीयता को लेकर चुनौतियां बढ़ सकती हैं और उपयोगकर्ता सार्वजनिक रूप से साझा की जाने वाली सामग्री के प्रति अधिक सतर्क हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने इस मॉडल के उस फीचर पर चिंता जताई है, जिसमें उपयोगकर्ता किसी इंस्टाग्राम यूजरनेम को निर्देश (प्रॉम्प्ट) में डालकर सार्वजनिक प्रोफाइल में मौजूद तस्वीरों के आधार पर एआई जनित तस्वीर तैयार कर सकते हैं। काउंटरपॉइंट रिसर्च के वरिष्ठ विश्लेषक प्राचीर सिंह ने कहा कि यह बदलाव सार्वजनिक इंस्टाग्राम अकाउंट के मायने बदल देता है। अब इसका मतलब केवल दृश्यता नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति की छवि का एआई सामग्री के लिए उपयोग भी हो सकता है, वह भी बिना स्पष्ट अनुमति के। साइबरमीडिया रिसर्च के उपाध्यक्ष प्रभु राम ने कहा कि व्यवस्था से अलग होने का ऑप्ट-आउट' मॉडल आम तौर पर उपयोगकर्ताओं की निष्क्रियता का फायदा उठाता है, न कि सूचित सहमति को दर्शाता है।

फिल्म 'ब्लू 52' मेरे लिए हमेशा बहुत खास फिल्म रहेगी : नेहा धूपिया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया की 'ब्लू 52' फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू हुआ है, जिसको 9 जुलाई को ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट साउथबैंक में आयोजित किया जाएगा। इस फिल्म से 17वें लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एलआईएफएफ) की ओपनिंग फिल्म होगी। इस फिल्म को लेकर उन्होंने बात की। अभिनेत्री नेहा धूपिया ने कहा, मशहूर बीएफआई साउथबैंक में हमारी फिल्म का यूरोपियन प्रीमियर होना पूरी टीम के लिए बहुत सम्मान की बात है। आदिल हुसैन और बाकी कलाकारों जैसे टैलेंटेड को-एक्टर्स के साथ इस पल को शेयर करना इसे और भी यादगार बनाता है। उन्होंने आगे कहा, लियोनेल मेसी जैसे दुनिया भर में पसंद किए जाने वाले व्यक्ति का इस फिल्म से जुड़ना इस प्रोजेक्ट के लिए इंटरनेशनल लेवल पर बहुत ज्यादा ध्यान खींचने वाला रहा है। मैं सच में लंदन में दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने और उन सभी लोगों के साथ इस सफर का जश्न मनाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो 'ब्लू 52' को बनाने में शामिल रहे हैं। लंदन में होने वाले इस शानदार प्रीमियर में अभिनेत्री नेहा धूपिया, मशहूर एक्टर आदिल हुसैन और फिल्म की पूरी कास्ट के साथ शामिल होगी। इस खास पल को लेकर नेहा ने कहा कि 'ब्लू 52' मेरे लिए हमेशा एक बहुत खास फिल्म रहेगी, क्योंकि यह मेरा पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है, और लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित फेस्टिवल में इसकी ओपनिंग होते देखना किसी सपने जैसा लगता है।

उन्होंने कहा, अभिनेत्री के तौर पर, हम हमेशा ऐसी कहानियां ढूंढते हैं जो हमें छू जाएं, हमें चुनौती दें और कैमरा बंद होने के बाद भी हमारे साथ बनी रहें, और इस फिल्म ने मेरे लिए बिल्कुल यही किया। ट्रेलर को मिला रिस्पॉन्स बहुत उत्साहजनक रहा है, खासकर मेरे किरदार और परफॉर्मेंस के लिए मिल रहा प्यार।

इससे यह भरोसा मिलता है कि दर्शक फिल्म की इमोशनल दुनिया से जुड़ रहे हैं। अली अल अरबी की डायरेक्ट की गई यह फिल्म आशीष के बारे में है, जिसे उसके पिता ने अलग-थलग कर दिया था। वह 23 साल की उम्र में अपनी मां के पूरे सपोर्ट से घर से भाग जाता है ताकि कतर में 2022 वर्ल्ड कप में अपने आइडल, मेसी, से मिल सके। यह एक ऐसा सफर शुरू करता है जो उसे पहली बार खुद को और दुनिया को जानने का मौका देता है।

अयोध्या में अनुपम खेर ने राम मंदिर में की पूजा

अयोध्या/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी आगामी फिल्म 'श्री राम भूमि' की शूटिंग शुरू करने से पहले अयोध्या पहुंचकर श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने रामलला और भगवान हनुमान का आशीर्वाद लिया और इसके बाद फिल्म की शूटिंग की शुरुआत की। अभिनेता अनुपम खेर ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि फिल्म 'श्री राम भूमि' राम मंदिर के निर्माण की यात्रा, उससे जुड़े संघर्षों और उन कठिन परिस्थितियों पर आधारित है, जिनका सामना मंदिर निर्माण के दौरान करना पड़ा। यह फिल्म उन प्रयासों और चुनौतियों को दर्शाने की कोशिश करेगी, जिनके बाद राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ। अनुपम खेर ने राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित गबन मामले पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किसी भी गलत घटना के लिए मंदिर या आस्था को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि किसी घर में चोरी होती है तो दोष घर का नहीं बल्कि चोरी करने वाले व्यक्ति का होता है।

उन्होंने कहा कि जो घटना हुई वह गलत थी और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कुछ लोगों की गलत हरकतों से मंदिर की पवित्रता और करोड़ों लोगों की आस्था प्रभावित नहीं हो सकती। उनके अनुसार, राम मंदिर के निर्माण के पीछे सैकड़ों वर्षों का संघर्ष और लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। अनुपम खेर ने कहा कि किसी भी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत ईश्वर का आशीर्वाद लेकर करना उनके लिए महत्वपूर्ण है।

अभिनेता अनुपम खेर ने कहा कि चोरी या किसी व्यक्ति के अपराध को पूरे समुदाय, धर्म या मंदिर से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। अभिनेता ने लोगों से अपील की कि वे ऐसी घटनाओं को उन लोगों के व्यक्तिगत कृत्य के रूप में देखें जिन्होंने गलत काम किया है।अनुपम खेर ने कहा कि भगवान राम और सनातन परंपरा का अस्तित्व प्राचीन काल से रहा है और किसी एक घटना के कारण लोगों की श्रद्धा कमजोर नहीं होनी चाहिए। जिन श्रद्धालुओं ने मंदिर में दान दिया, उन्होंने श्रद्धा और विश्वास के साथ दिया था। उन्होंने बताया कि उनकी नई फिल्म 'श्री राम जन्मभूमि' की शूटिंग अयोध्या में 10 से 12 दिनों तक चलेगी और इसकी शुरुआत भगवान श्रीराम व हनुमान जी के आशीर्वाद से की गई है।

'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' अगले साल 14 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

नयी दिल्ली/भाषा

क्रिकेटर सौरव गांगुली के जीवन पर आधारित फिल्म 'दादा-द सौरव गांगुली स्टोरी' का पहला पोस्टर बुधवार को जारी किया गया जिसमें लॉर्ड्स की बालकनी में गांगुली के जर्सी लहराने के ऐतिहासिक क्षण को दिखाया गया है। इस फिल्म में राजकुमार राव ने सौरव गांगुली की भूमिका निभाई है। निर्माताओं ने बुधवार को गांगुली के 54वें जन्मदिन के अवसर पर फिल्म का पोस्टर जारी करने का फैसला किया। यह फिल्म अगले साल 14 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म के पहले आधिकारिक पोस्टर में राव, उस यादगार क्षण को पर्दे पर जीवंत करते नजर आते हैं, जब भारत ने 2002 में इंग्लैंड को हराकर नेटवेस्ट ट्रॉफी हासिल की थी और गांगुली ने लॉर्ड्स स्टेडियम की बालकनी में अपनी जर्सी लहराई थी। निर्माताओं ने कहा कि 'दादा-द सौरव गांगुली स्टोरी' उस व्यक्ति की असाधारण यात्रा को दिखाती है, जिसने सिर्फ खेल खेला ही नहीं, बल्कि उसे बदल भी दिया। उन्होंने कहा कि एक प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर से भारत के सबसे प्रभावशाली कप्तानों में से एक बनने तक की उनकी यात्रा को दिखाने वाली यह फिल्म उस जज्बे, संघर्षशीलता और दृढ़ विश्वास का जश्न मनाती है जिसने भारतीय क्रिकेट को नयी परिभाषा दी और पूरी एक पीढ़ी को प्रेरित किया। 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' का निर्देशन 'लुटेरा', 'जुबली' और 'ब्लैक वारंट' से प्रसिद्धि पाने वाले विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। फिल्म का निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है।

फिल्म बनने के बाद रोक लगाना पूरी टीम के साथ अन्याय, 'सतलुज' विवाद पर बोले कंवलजीत सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता और गायक दलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच वरिष्ठ अभिनेता कंवलजीत सिंह ने मंगलवार को से विशेष बातचीत की। उन्होंने फिल्म के बारे में से बात करते हुए बताया कि किसी भी अभिनेता का पहला दायित्व अपने किरदार को ईमानदारी से निभाना होता है, जबकि किसी फिल्म को लेकर बाद में पैदा होने वाले विवादों पर फैसला संबंधित संस्थाओं और निर्माताओं का होता है। एक्टर ने कहा, फिल्म 'सतलुज' में उन्होंने अपने करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया। यह पहली बार था, जब मैं इतने बेरहम इंसान का किरदार निभा रहा था। मैंने पहले भी ऐसा किया था, लेकिन वह किरदार इतना बेरहम नहीं था। यह दिलचस्प था, जब मुझे बताया गया कि मैं एक खास व्यक्ति का किरदार निभाने जा रहा हूं। एक ऐसी कहानी जो सच है और जिसके बारे में कभी बात नहीं हुई, जो हमारे इतिहास का हिस्सा है और इसीलिए मुझे इसमें दिलचस्पी हुई। उन्होंने बताया, फिल्म में मेरा किरदार पंजाब के एक वरिष्ठ अधिकारी से प्रेरित था। भूमिका की तैयारी के लिए मैंने उस अधिकारी के बारे में इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पढ़ी, उनके भाषण देखे और उनके व्यक्तित्व को समझने की कोशिश की। हालांकि निर्देशक ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मैं किसी की नकल न करूं, बल्कि अपने अभिनय के जरिए किरदार को जीवंत बनाऊं। शायद मेकअप की वजह से लोग मुझे उस अधिकारी जैसा समझने लगे।

फिल्म की रिलीज में आई बाधाओं पर उन्होंने कहा, कई बार किसी फिल्म के रिलीज न होने के पीछे केवल विवाद ही कारण नहीं होते। आर्थिक, तकनीकी और अन्य व्यावहारिक कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं। जब किसी फिल्म पर वर्षों तक मेहनत की

जाती है और वह दर्शकों तक नहीं पहुंच पाती तो कलाकारों और पूरी टीम को स्वाभाविक रूप से निराशा होती है। उन्होंने इसकी तुलना एक लेखक द्वारा वर्षों की मेहनत से लिखी गई किताब के प्रकाशित न होने से की।कंवलजीत सिंह ने विश्वास जताया, 'सतलुज' एक दिन जरूर रिलीज होगी। इस फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति, चाहे वह स्पॉट बॉय हो, तकनीशियन हो या निर्देशक, सभी ने पूरी लगन से काम किया है। ऐसे में पूरी टीम की यही इच्छा और प्रार्थना है कि दर्शकों को हमारा काम देखने का अवसर मिले।

उन्होंने फिल्म से जुड़े विवादों का जिक्र करते हुए कहा, यह मामला करीब ढाई से तीन साल तक विभिन्न स्तरों पर चलता रहा। फिल्म के निर्माताओं और निर्देशक की सराहना होनी चाहिए। बाहरी दबावों के बावजूद अपने रुख से समझौता नहीं किया। एक समय फिल्म में बड़ी संख्या में कट लगाने की बात कही गई और बाद में इसे कनाडा फिल्म फेस्टिवल से भी वापस ले लिया गया। समय के साथ परिस्थितियां बदलती हैं और समाज संवाद के माध्यम से समाधान खोज सकता है। इसलिए लंबे समय बाद फिल्मों को लेकर भय या टकराव की मानसिकता उचित नहीं है। अभिनेता ने कहा, जब किसी कलाकार को कोई भूमिका मिलती है तो उसके मन में सबसे पहले विवाद नहीं, बल्कि कहानी और किरदार आता है। यदि अभिनेता हर समय यह सोचता रहे कि फिल्म पर कैसी प्रतिक्रिया आएगी, तो वह अपने अभिनय पर पूरा ध्यान नहीं दे पाएगा। कलाकार का कर्तव्य है कि वह अपने किरदार को पूरी ईमानदारी और सच्चाई के साथ पर्दे पर उतारे।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया, यदि किसी विषय पर आशंकाएं हैं तो फिल्म निर्माण शुरू होने से पहले ही आवश्यक मंजूरियां और आपत्तियों का समाधान कर लिया जाना चाहिए। फिल्म बनने के बाद जब उस पर भारी निवेश, समय और मेहनत लग चुकी हो, तब उसे रोकना या बड़े बदलाव की मांग करना पूरी टीम के साथ अन्याय है। कंवलजीत सिंह ने कहा, भारतीय सिनेमा में रचनात्मक अभिव्यक्ति और संवेदनशील विषयों के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। मेरा मानना है कि संवाद, पारदर्शिता और समय रहते निर्णय लेने से ऐसी परिस्थितियों से बचा जा सकता है, जिससे कलाकारों और निर्माताओं की वर्षों की मेहनत व्यर्थ न जाए।

'रहूं मैं तेरे रूबरू' का ट्रेलर रिलीज!

मुंबई/एजेन्सी

फर्स्ट लुक पोस्टर और रोमांचक टीज़र से दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ाने के बाद, अब फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का शानदार ट्रेलर रिलीज़ कर दिया गया है। एस. एस. एंटरटेनमेंट वर्ल्ड प्रस्तुत इस फिल्म में आर्या कुमार, नीथा शेट्टी और पीहू बिस्वास मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। यह एक दिलचस्प मर्डर मिस्ट्री है, जो 17 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। ट्रेलर की शुरुआत एक रहस्यमयी माहौल से होती है, जो शुरुआत से ही दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। इसके बाद कहानी में प्यार, रोमांस, शानदार संगीत, सस्पेंस और कई चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलते हैं। फिल्म की कहानी एक दिलचस्प लव ट्रायंगल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रिश्तों और रहस्य को और भी गहरा बना देती है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, छिपे हुए राज़, बदलती पहचान, भावनात्मक संघर्ष और खतरनाक सच्चाइयों की झलक सामने आती है। शानदार सिनेमैटोग्राफी, दमदार बैकग्राउंड म्यूज़िक और रोमांच से भरपूर कहानी ट्रेलर को और भी खास बनाते हैं। ट्रेलर का आखिरी सीन ऐसा है, जो दर्शकों को हैरान कर देता है और फिल्म देखने की उत्सुकता कई गुना बढ़ा देता है।

'रहूं मैं तेरे रूबरू' एक ऐसी कमर्शियल मर्डर मिस्ट्री है, जिसमें रोमांस, सस्पेंस, संगीत और भावनाओं का बेहतरीन मेल देखने को मिलेगा। यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई गई है और थिएटर में एक शानदार मनोरंजक अनुभव देने का वादा करती है।फिल्म का निर्देशन इंदर दास ने किया है, जबकि इसकी कहानी और स्क्रीनप्ले आर्या कुमार ने लिखा है।

फिल्म के सिनेमैटोग्राफर सोनू कुमार तिवारी और कमल एस. चौपाल हैं। वहीं, आर्या कुमार और हिमांशु तिवारी ने क्रिएटिव डायरेक्शन संभाला है। फिल्म का निर्माण सुमन सौरभ ने किया है।फिल्म का संगीत सोनू राव ने दिया है और गीत शब्बीर सर्वे ने लिखे हैं। हिमांशु तिवारी ने फिल्म का संपादन किया है, जबकि फिल्म के रोमांच और भावनात्मक माहौल को और प्रभावशाली बनाने के लिए बैकग्राउंड स्कोर शैलेश राव ने तैयार किया है। अपने शानदार विजुअल्स, दमदार परफॉर्मेंस, यादगार संगीत, दिलचस्प लव ट्रायंगल और रहस्य से भरपूर कहानी के साथ 'रहूं मैं तेरे रूबरू' ने दर्शकों की उम्मीदें और भी बढ़ा दी हैं।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के तत्वावधान में आगामी 21 जुलाई से पैलेस ग्राउंड में तीन दिवसीय ट्रेड फेयर का आयोजन होने जा रहा है जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।यह ट्रेड फेयर अपने उद्योग क्षेत्र का देश का सबसे बड़ा फेयर है। विभिन्न समितियां व्यवस्थाओं में जुटी हैं।एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीर मेहता, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, सहकोषाध्यक्ष विनोद चौहान ने बुधवार को कर्नाटक के सहपुलिस आयुक्त कुलदीप जैन से उनके सरकारी कार्यालय पर मुलाकात की एवं ट्रेड फेयर में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। कुलदीप जैन ने ट्रेड फेयर व व्यापार सम्बंधित जानकारी ली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बैठक आमंत्रण

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल कर्नाटक के उपसचिव दिलीप जैन ने जयपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता से सौजन्य भेंट कर आगामी राष्ट्रीय व्यापार बैठक पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कर्नाटक चैप्टर को आगामी 9 अगस्त को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय व्यापार बैठक में सहभागिता हेतु औपचारिक आमंत्रण पत्र प्रदान किया।

अन्नदान सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद द्वारा बुधवार को केजी रोड स्थित पुंज सिंधी पंचायत भवन के सामने कमलेश भरत डूंगरवाल परिवार के सौजन्य से 300 लोगों के लिए अन्नदान सेवा कार्य का आयोजन किया जिसमें तेयुप के मंत्री विवेक मरोठी, मासिक सेवा संयोजक संजय कोचर, विनय बैद एवं ऋषभ सेठिया ने इस सेवा कार्य में सहयोग दिया।

श्रावण भादरवा एकान्तर आराधकों के आवेदन पत्र का हुआ लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रेयांस पारणा समिति के तत्वावधान में श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन समणी सेंटर में संचालित एकांतर वर्षीतप पारणा के अंतर्गत आयोजित होने वाली श्रावण-भादरवा एकांतर आराधना में सहभागी बनने वाले तपस्वियों का पंजीकरण आवेदन पत्र का लोकार्पण किया गया।

इस मौके पर समणी निदेशिका डॉ. सुयशनिधिश्री ने कहा कि तपस्या भावों की शुद्धि, कषायों के क्षय तथा आत्मबल की वृद्धि का महान साधन है। एकांतर तप आराधकों को बाह्य तप के साथ विनम्रता, समता, स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन का समन्वय करना चाहिए।

तप के माध्यम से मनुष्य कर्मनिर्जरा करते हुए आत्मकल्याण की दिशा में अग्रसर होता है। कार्यक्रम में समणी डॉ. सुयोगनिधिश्री का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल ने सभी का स्वागत किया।

सह चेयरमैन मीठालाल लोढ़ा एवं कोषाध्यक्ष महावीरचन्द श्रीश्रीमाल ने बताया कि समिति द्वारा समणी सेंटर में तपस्वियों के लिए पारणा की उत्तम व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर जेके महावीरचंद चोरड़िया ने आवेदन पत्र प्राप्ति की जानकारी दी।

जीकेवीके परिसर में कल से तीन दिनों तक 'पौध महोत्सव'

बेंगलूरु। बागलकोट बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत बेंगलूरु क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र और बागवानी महाविद्यालय के तत्वावधान में जीकेवी यूएचएस परिसर में 10 से 12 जुलाई तक तीन दिवसीय पौध मेला का आयोजन किया गया। बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से सांसद और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. सी. एन. मंजुनाथ इस पौध उत्सव का उद्घाटन करेंगे। येलहंका विधानसभा क्षेत्र से विधायक एस. आर. विश्वनाथ कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. बी. फखरुद्दीन और विस्तार निदेशक डॉ. वेंकटेशलू भी उपस्थित रहेंगे। बेंगलूरु कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर के सेवानिवृत्त डीन डॉ. जी. एस. के. स्वामी और किसान उत्पादक संगठनों के उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक डॉ. के. आर. वासुदेव भी उपस्थित रहेंगे। इस मेले में लोक नृत्य, जुलूस, लोक गायन और भरतनाट्यम प्रदर्शन विशेष आकर्षण होंगे। ग्राहकों को सीधे सामान बेचने के लिए 150 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इस मेले में फलदार वृक्ष, फूल और सजावटी पौधे, बागान, औषधीय और सुगंधित पौधे उपलब्ध होंगे। वर्मीकम्पोस्ट, गमले की मिट्टी का मिश्रण, जैव-कीटनाशक, बीज, बागवानी उपकरण, अनाज, मूल्यवर्धित उत्पाद और सब्जियों और फूलों के बीज भी यहां मिलेंगे। अधिक जानकारी के लिए फोन नं. 9900585242, 9844188834 पर संपर्क किया जा सकता है।

जब तक संसार में धर्म तत्व है तब तक मानवता का अस्तित्व है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। बुधवार को चार कमान स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्मतत्व ही इस दुनिया में मानवता को मिला सबसे कीमती उपहार है। धर्म की बराबरी कोई कर नहीं सकता। वह अतुलनीय और अलौकिक है। जब तक संसार में धर्मतत्व है, तब तक मानवता का अस्तित्व है। धर्म के नष्ट होते ही सब कुछ स्वाहा हुआ समझो। यह अनुभूति का तत्व है। यह कुछ करने से पहले समझने और जीने की चीज है।

जो मनुष्य धर्मतत्व का वास्तविक बोध प्राप्त कर लेता है, वह श्रेष्ठ साधक और पूजनीय है। आज धर्म के नाम पर संसार में अनेक सांप्रदायिक प्रपंच चलते हैं। वे सब अज्ञान और पाप के द्योतक हैं। धर्म तो प्राणीमात्र को दुर्गति और दुर्बुद्धि से बचाकर सन्मार्ग और सदबुद्धि की शिक्षा देता है। उन्होंने कहा कि धर्म के विधि-विधान, क्रिया-कांड करने से पहले उसके प्रति रुचि और सच्ची श्रद्धा होनी चाहिए।

अंधश्रद्धा या अज्ञानता पूर्वक कुछ भी करना धर्म को मान्य नहीं है। आज धर्म के नाम पर बड़ी मात्रा में अधर्म का पोषण होता है। धर्म के बहाने कितने ही पाप-अपराध होते हैं। इन सबसे बचकर ही मनुष्य वास्तविक सुख और शांति की अनुभूति कर सकता है। चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन संघ के सदस्यों व सैकड़ों श्रद्धालुओं ने संतों का भावपूर्ण स्वागत किया।

विजयेंद्र ने राम मंदिर चढ़ावा मामले में कांग्रेस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर ''पाखंड'' का आरोप लगाया। विजयेंद्र ने कहा कि कितना भी शोर, बनावटी आक्रोश या ''चुनिंदा नैतिकता'' दिखाई जाए, इससे प्रधानमंत्री मोदी में जनता का विश्वास डिगने वाला नहीं है। विजयेंद्र ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस ने पाखंड को अपनी आदत बना लिया है। अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग करने की कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) की मांग राजनीतिक नाटक के अलावा और कुछ नहीं है।

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी पर उंगली उठाने से पहले कांग्रेस को यह जवाब देना चाहिए कि नेशनल हेराल्ड' मामले में गंभीर सवालों का सामना कर रहीं सोनिया गांधी और राहुल गांधी अब भी सार्वजनिक पदों पर क्यों बने हुए हैं। यह मामला हमारी स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत से जुड़ी संपत्तियों से संबंधित है।'' भाजपा नेता ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट एक स्वतंत्र निकाय है और जैसे ही आरोप सामने आए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जांच के आदेश दिए।

उन्होंने कहा, ''जिस सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं होता, वह इसी तरह काम करती है। इसके विपरीत कर्नाटक में कांग्रेस ने एमयूडीए और वाल्मीकि घोटालों को दबाने के लिए हर संभव कोशिश की। यही पार्टी अपने घोटालों की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच होने पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाती है, लेकिन अब जब उसकी राजनीति के अनुकूल है तो अचानक सीबीआई पर भरोसा जता रही है।''

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी की आम सभा ने मंगलवार को पांच प्रस्ताव पारित किए थे। इनमें अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन की सीबीआई जांच कराने की मांग भी शामिल है। बैठक में एक अन्य प्रस्ताव के माध्यम से कथित घोटाले के लिए नैतिक जिम्मेदारी तय करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे की भी मांग की गई।

विजयेंद्र ने कहा, ''यह अयोध्या की चिंता नहीं है। कांग्रेस राम मंदिर के नाम की आड़ लेकर अपने भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश कर रही है। कितना भी शोर, बनावटी आक्रोश या चुनिंदा नैतिकता दिखाई जाए, इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में जनता का विश्वास नहीं डिगेगा।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहे जितना शोर मचाए, जनता हमेशा की तरह उसके इस ''राजनीतिक नाटक'' को समझ जाएगी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने राम मंदिर में चढ़ावे की नकदी के कथित गबन के मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जैन समाज के प्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय रेलवे प्रबंधक से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मैसूरु में क्षेत्रीय रेलवे प्रबंधक मुदित कुमार मितल से मुलाकात कर राजस्थानी प्रवासियों की ट्रेन मांगों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में मैसूर-जोधपुर एक्सप्रेस को वापस चालू कर नियमित करने, यशवंतपुर- बाड़मेर एक्सप्रेस को मैसूरु से चलाने एवं मैसूर-मुंबई वंदेभारत ट्रेन चलाने की मांग की गई।

इसके अलावा मैसूर-उदयपुर हमसफर ट्रेन के नाम को महान शासक महाराणा प्रताप के नाम रखने की मांग की गई। मुदित कुमार ने सभी मांगों को रेलवे बोर्ड एवं रेल मंत्रालय तक पहुँचाने का आश्वासन दिया।

इस मौके पर प्रतिनिधि मंडल में जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, जैन मिलन पैलेस सिटी के सचिव महावीरचंद भंसाली, आदिनाथ जैन संघ मैसूर के सचिव गौतम सालेचा एवं अन्य लोग शामिल थे।

कांग्रेस एसआईआर पर 'भ्रामक' जानकारी फैला रही है : भाजपा ने कर्नाटक के सीईओ से शिकायत की

बेंगलूरु/भाषा/दक्षिण भारत । कर्नाटक भाजपा ने बुधवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को एक ज्ञापन सौंपा और इसमें कांग्रेस पर एसआईआर के खिलाफ गुमराह करने वाली, झूठी और डर फैलाने वाली जानकारी प्रसारित करने का आरोप लगाया। भाजपा ने सीईओ से यह भी आग्रह किया कि वे कर्नाटक कांग्रेस और उसके कार्यकर्ताओं के खिलाफ उचित कार्रवाई करें और उन्हें राज्य में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) की संवैधानिक प्रक्रिया में गैर-कानूनी रूप से दखल देने से रोकें।

भाजपा के राज्य संयोजक एस. दत्तात्री और पार्टी के राज्य विधिक प्रकोष्ठ के संयोजक वसंतकुमार ने यहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. अंबुकुमार को ज्ञापन सौंपा। कर्नाटक में एसआईआर के तहत घर-घर जाकर गणना का काम 30 जून को शुरू हुआ था और यह 29 जुलाई तक चलेगा। ज्ञापन में एक पैम्फलेट की प्रति के साथ कहा गया, अभी की स्थिति यह है कि कर्नाटक में आईएनसी (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) सोशल मीडिया और भौतिक रूप से ऐसे पैम्फलेट बांट रही है जिनमें भाजपा पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं कि एसआईआर प्रक्रिया उसके कहने पर की जा रही है। इसके उलट, निर्वाचन आयोग और उसके अधिकारी सिर्फ अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

भाजपा ने कहा कि पैम्फलेट में यह आरोप भी लगाया गया है कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर बिना उचित प्रक्रिया के मतदाता सूची से नाम हटा दिए हैं। ज्ञापन में कहा गया, ये व्यापक और बेबुनियाद आरोप आपके माननीय प्राधिकरण द्वारा निभाए जा रहे संवैधानिक दायित्व पर सीधा हमला हैं। साथ ही, यह पैम्फलेट कर्नाटक में निर्वाचन आयोग द्वारा अपनाई जा रही एसआईआर प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सीधे सवाल उठाता है और कहता है कि सिर्फ आईएनसी-कर्नाटक ही नागरिकों के वोटों की सुरक्षा कर सकती है।

भाजपा ने कहा कि ये बेबुनियाद और अनुचित आरोप सीधे तौर पर चुनाव आयोग के तहत आने वाले सीईओ, जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ), मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), अतिरिक्त ईआरओ और अन्य सरकारी कर्मचारियों को उनके संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने से रोक सकते हैं या प्रभावित कर सकते हैं। भाजपा का कहना है कि फैलाई जा रही ये झूठी और मनगढ़ंत जानकारी नागरिकों के मन में आशंका पैदा करती है और घर-घर जाकर आंकड़े इकट्ठा करते समय चुनाव अधिकारियों के मन में असुरक्षा की भावना भी पैदा कर सकती है, जिससे उन पर हिंसा का खतरा बढ़ सकता है।

भाजपा ने 54 करोड़ के 'ग्रीन बेंगलूरु' पहल को बताया विफल

बेंगलूरु। कर्नाटक भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने आरोप लगाया कि उसकी 54 करोड़ रुपये की 'ग्रीन बेंगलूरु' पौधरोपण पहल विफल साबित हुई है और कथित तौर पर उचित रखरखाव के अभाव में हजारों पौधे सूख गए हैं। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में बेंगलूरु में बड़े पैमाने पर शहरी हरितीकरण अभियान चलाया गया, जिसके तहत केवल 12 घंटे में 15 लाख पौधे लगाए गए। शहरी क्षेत्रों में बढ़ते तापमान (अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव) को कम करने के उद्देश्य से चलाए गए इस अभियान ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी स्थान बनाया। यह ऐतिहासिक अभियान 27 जून को बेंगलूरु के संस्थापक नाडप्रभु केंपेगौड़ा की 517वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था।

एक बयान में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता आर. अशोक ने कथित तौर पर सूख चुके पौधों की तस्वीरें साझा करते हुए सरकार पर प्रचार को क्रियान्वयन से अधिक महत्व देने का आरोप लगाया। अशोक ने आरोप लगाया कि पौधारोपण अभियान, विज्ञापनों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रचार-प्रसार पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन परियोजना शुरू होने के बाद पौधों की देखभाल नहीं की गई।

उन्होंने दावा किया कि कई पौधों को पर्याप्त सिंचाई और रखरखाव के बिना नालों के किनारे छोड़ दिया गया, जिससे वे सूख गए। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवकुमार पर शासन को विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के बजाय फोटो अवसर तक सीमित रखने का आरोप लगाया।

सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए अशोक ने कहा कि कांग्रेस सरकार पहले बड़ी परियोजनाओं की घोषणा करती है, फिर उनके प्रचार पर भारी खर्च करती है लेकिन उनके उचित क्रियान्वयन को सुनिश्चित नहीं करती। उन्होंने यह भी पूछा कि यदि सरकार एक पौधरोपण कार्यक्रम का रखरखाव नहीं कर सकी, तो उस पर बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भरोसा कैसे किया जा सकता है।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के हेल्पिंग हैंड्स जैन यूथ ऑर्गेनाइजेशन के सदस्यों ने बुधवार को गोद लिए हुए इट्टिगेगुड राजकीय स्कूल में अध्ययनरत विधार्थियों को पाठ्य सामग्री व अन्य सामग्री वितरित की। इस मौके पर कोषाध्यक्ष राजन बाघमार, मनोहर सांखला, योजनाध्यक्ष प्रकाश गांधी सहित शिक्षक समूह व विधार्थी उपस्थित थे।

कॉन्स्टेबल ने खुद को गोली मारी

कलबुर्गी/भाषा। कर्नाटक के कलबुर्गी शहर में, एक पुलिस कॉन्स्टेबल ने अपनी राइफल से खुद को गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना मंगलवार रात करीब 9:30 बजे जगत सर्कल में हुई। कॉन्स्टेबल की पहचान जेवरगी तालुक के नारीबोला गांव के निवासी शिवकुमार के रूप में हुई है। वह मुख्यमंत्री के शहर के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात था। पुलिस ने बताया कि वह अन्य पुलिसकर्मियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा था। शहर के पुलिस आयुक्त शरणप्पा एस.डी. के अनुसार, शिवकुमार का तीन-चार महीने पहले ही बेंगलूरु ग्रामीण जिले से कलबुर्गी तबादला हुआ था। उसने पुलिस वाहन के अंदर अपनी .303 सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। पुलिस के अनुसार, बताया जाता है कि शिवकुमार हाल के दिनों में व्यक्तिगत कारणों से मानसिक तनाव में था, हालांकि आत्महत्या का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**